नई दिल्ली ■ मंगलवार 27 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 300 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं... | 07 तिलक वर्मा शेष टी-20 मैचों से बाहर, श्रेयस अय्यर टीम में ... | पद्म भूषण मिलने पर भावुक हुई ... 08

77वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ से दिखी भारत की ताकत

77वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर राष्ट्रपति मुर्मु ने फहराया तिरंगा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कर्तव्य पथ पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह का नेतृत्व किया। जैसे ही तिरंगा फहराया गया, राष्ट्रगान की मधुर धुन गूंजी और स्वदेशी 105 मिमी लाइट फील्ड गनों से 21 तोपों की सलामी दी गई, जिससे पूरा माहौल देशभक्ति के रंग में रंग गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति के साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों अतिथियों का सलामी मंच पर स्वागत किया। परंपरा के अनुसार, राष्ट्रपति और मुख्य अतिथियों को भारतीय सेना की सबसे वरिष्ठ रेजिमेंट ने कर्तव्य पथ तक पहुंचाया। पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का भी स्वागत किया। इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड में 'वंदे मातरम' के 150 वर्षों की झलक, देश की सैन्य ताकत और भारत की सांस्कृतिक विविधता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। परेड में ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलों जैसे आधुनिक हथियारों के साथ 30 रंग-बिरंगी झांकियां भी शामिल

होंगी। यह परेड पिछले वर्ष हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली बार आयोजित की जा रही है, जिसमें अत्याधुनिक रक्षा प्लेटफॉर्म और 29 विमानों की भव्य फ्लाईपास्ट विशेष आकर्षण होगी। फ्लाईपास्ट में राफेल, सुखोई-30, पी-8आई, सी-295, मिग-29, अपाचे, एलसीएच, एएलएच, और एमआई-17 जैसे विमान अलग-अलग संरचनाओं में आसमान में करतब दिखाएंगे। गणतंत्र दिवस परेड में करीब 2,500 कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे, जो 'वंदे मातरम' और 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना को दर्शाएंगे। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के प्रतिभागी, कर्तव्य भवन के निर्माण कार्य में लगे श्रमिक, लखपति दीदी और लगभग 10,000 विशेष अतिथि भी परेड देखने पहुंचे हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन अतिथियों में रोजगार सृजन, नवाचार, अनुसंधान, स्टार्टअप, स्वयं सहायता समूहों और सरकारी योजनाओं में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोग शामिल हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने अपने आवास पर फहराया तिरंगा

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यहां अपने आवास पर राष्ट्र ध्वज फहराकर देशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर ओम बिरला ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल झंडा फहराने या परेड देखने का दिन नहीं है, बल्कि यह दिन देश के संविधान को अपनाने और उसके आदर्शों के अनुसार चलने का दिन है। उन्होंने याद दिलाया कि 76 साल पहले भारत ने अपने संविधान को अपनाया, जो दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है और आज भी यह देश की जनता के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम सभी मिलकर भारत को 2047 तक विकसित और सशक्त राष्ट्र बनाने के लिए काम करेंगे, जब देश स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मना रहा होगा। उन्होंने कहा कि संविधान केवल कानून और नियमों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, समानता, न्याय और स्वतंत्रता के मूल्यों का जीवंत मार्गदर्शन है। उन्होंने नागरिकों से यह अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए और संविधान के आदर्शों का पालन करते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी का कर्तव्य है कि हम देश की एकता, अखंडता और गौरव को बनाए रखें। लोकसभा अध्यक्ष ने विशेष रूप से युवाओं को देशभक्ति, अनुशासन और सेवा भाव का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को राष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए नेतृत्व करना चाहिए और अपने कौशल तथा ज्ञान का उपयोग समाज और देश की भलाई के लिए करना चाहिए।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

प्रधानमंत्री एनसीसी रैली

28 जनवरी 2026

करिअप्पा परेड ग्राउंड, दिल्ली छावनी

"राष्ट्र प्रथम, कर्तव्यनिष्ठ युवा"

"एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा की भावना का संचार करता है। अतः मैं युवाओं से आग्रह करता हूँ कि वे बड़ी संख्या में एनसीसी से जुड़ें।"

– माननीय प्रधानमंत्री

वर्ष 2025 की प्रमुख उपलब्धियाँ

75,000 से अधिक एनसीसी कैडेट्स ने ऑपरेशन सिंदूर में सहभागिता की।

एनसीसी दल ने माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) पर सफल चढ़ाई की (जिसमें 5 बालक एवं 5 बालिका कैडेट्स शामिल थे)।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से 94,400 युवा आपदा मित्र कैडेट्स को 28 राज्यों के 315 जिलों में प्रशिक्षित किया जा रहा है; इसके अंतर्गत 14,268 कैडेट्स को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

एनसीसी का विस्तार 17 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कैडेट्स तक किया गया, जिनमें 40 प्रतिशत बालिका कैडेट्स शामिल हैं।

8.5 लाख कैडेट्स ने प्रशिक्षण शिविरों में भाग लिया, जिनमें 9 विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर तथा 33 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' शिविर शामिल हैं।

लगभग 1,318 कैडेट्स ने साइक्लिंग, प्रवाल पुनर्स्थापन, पदयात्रा एवं नौकायन अभियानों (जिसके अंतर्गत अंडमान-निकोबार एवं लक्षद्वीप में लगभग 1,818 किलोमीटर की दूरी तय की गई) में भाग लिया।

लगभग 13,000 कैडेट्स ने मैराथन, पदयात्रा, जन-जागरूकता अभियानों एवं साइक्लिंग अभियानों में भाग लिया, जिसमें पुणे से दिल्ली, रांची से दिल्ली तथा गुवाहाटी से जोरहाट तक कुल 3,302 किलोमीटर की दूरी शामिल है।

लगभग 50,000 कैडेट्स ने पर्वतारोहण, ट्रेकिंग, व्हाइट वॉटर राफ्टिंग, पैरा जंप्स, पैरासेलिंग, स्कूबा डाइविंग एवं अन्य साहसिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों एवं शिविरों में भाग लिया।

पुनीत सागर अभियान के अंतर्गत 560 टन प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया, जिसमें से 390 टन का पुनर्चक्रण किया गया।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत 8 लाख पौधे लगाए गए, जिसमें 4.5 लाख कैडेट्स ने सहभागिता की।

राष्ट्रीय अभियानों में सहभागिता

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस – 8.7 लाख कैडेट्स

विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद क्विज़ – 4.5 लाख कैडेट्स

साइबर स्वास्थ्य जागरूकता अभियान – 14,200 कैडेट्स

वंदे मातरम् स्मरणोत्सव – 6 लाख कैडेट्स

स्वच्छोत्सव (राष्ट्रव्यापी समारोह) – 2,094 स्वच्छता लक्ष्य इकाइयाँ

संविधान दिवस – 4 लाख कैडेट्स ने संविधान की प्रस्तावना पर शपथ एवं विशेष सभाओं में सहभागिता की।

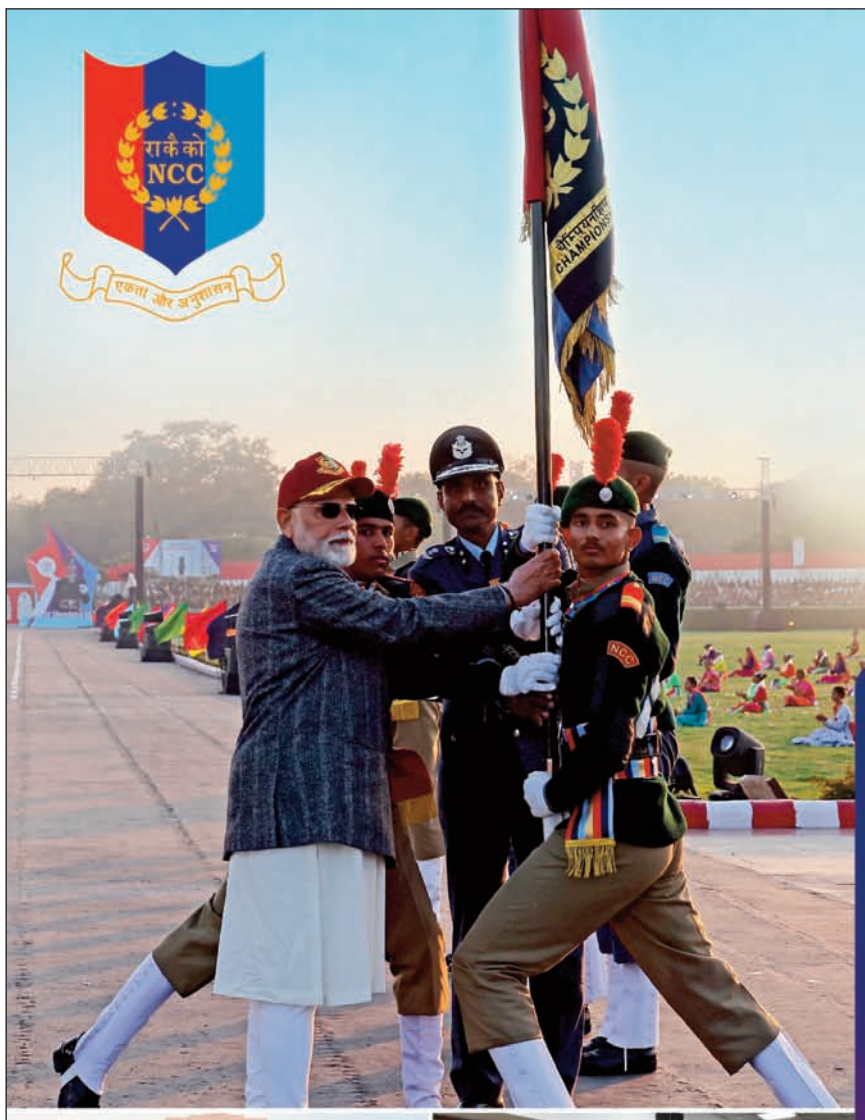

www.nccindia.gov.in @NationalCadetCorpsIndia @HQ_DG_NCC @Nccindiaofficial @Nccindiaofficial

कार्यक्रम

सीधा प्रसारण : डी डी नेशनल/डीडी न्यूज़ पर 1530 बजे

सीधा रेडियो प्रसारण: एफएम रेनबो 102.6 मेगाहर्ट्ज़ पर 1530 बजे

CBC10110/13/0002/2526

नोएडा में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस का महा उत्सव

व्यापारियों और कारोबारियों ने फहराए तिरंगे

नोएडा। नोएडा में 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह, गरिमा और राष्ट्रभक्ति के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर नोएडा के प्रमुख कारोबारी संगठनों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर तिरंगे को सलामी दी। नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन (NEA) की ओर से गणतंत्र दिवस का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया, जिसमें उद्यमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश और एनईए अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने एनईए की पूरी टीम के साथ ध्वजारोहण किया। इसके बाद मौजूद उद्यमियों और सदस्यों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें देखकर मौजूद लोग भावविभोर हो गए। बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में अलग ही ऊर्जा भर दी और पूरे माहौल को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। इस मौके पर एनईए अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने कहा कि देश के प्रति प्रेम, सद्भाव, सम्मान और सेवाभाव के साथ सभी धर्मों को मानने वाले लोग गणतंत्र दिवस को एक पर्व के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के लिए गणतंत्र दिवस से बड़ा कोई त्योहार नहीं है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और इसकी एकता ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। यही एकता देश का गौरव है और हमें इसे हमेशा बनाए रखना चाहिए। मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों में देशभक्ति की भावना का विकास होना बेहद जरूरी है, क्योंकि यही बच्चे आने वाले समय में देश की दिशा और दशा तय करेंगे। ऐसे कार्यक्रम बच्चों के अंदर राष्ट्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना पैदा करते हैं। उधर, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में भी गणतंत्र दिवस मनाया गया। वाणिज्य कर विभाग के ज्वाइंट कमिश्नर योगेश विजय ने ध्वजारोहण के बाद कहा कि व्यापारी सैनिक की तरह देश की अर्थव्यवस्था को संभालता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश के संविधान और देश की अखंडता पर गर्व होना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि हम उन वीर सपूतों को नमन करते हैं जिन्होंने अपने प्राणों का बलिदान देकर इस देश का संविधान बनाया। उन्होंने कहा कि यह संविधान एक वटवृक्ष की तरह है, जो सभी धर्मों और समुदायों को अपने भीतर समेटे हुए है। प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल ने कहा कि गणतंत्र दिवस मनाना हम सभी के लिए गर्व की अनुभूति है और आजाद भारत में इस पर्व को मनाकर हम स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं।

नोएडा से पकड़े गए ट्रक चोर गैंग के गुर्गे, पुलिस ने दो को दबोचा

नोएडा। थाना फेस-2 पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए एक अंतरराज्यीय ट्रक चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से चोरी के तीन ट्रक और वाहन काटने में इस्तेमाल होने वाले कई खतरनाक उपकरण बरामद किए गए हैं। यह गिरोह लंबे समय से नोएडा, गाजियाबाद और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में सक्रिय था और कमर्शियल वाहनों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। पुलिस के मुताबिक, रविवार को गोपनीय सूचना के आधार पर सेक्टर-82 कट, भंगेल के पास घेराबंदी कर कार्रवाई की गई। इस दौरान गाजियाबाद निवासी सलमान और गौतमबुद्धनगर के बिसरख क्षेत्र निवासी भानू चौधरी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि भानू चौधरी बीएससी स्नातक है, लेकिन पढ़ाई के बाद वह अपराध की दुनिया में उतर गया और लंबे समय से वाहन चोरी के मामलों में सक्रिय था। दोनों आरोपी संगठित तरीके से गिरोह चलाते थे और ट्रक चोरी को अपना मुख्य जरिया बना चुके थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कई अहम खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर औद्योगिक क्षेत्रों और सड़कों के किनारे खड़े कमर्शियल वाहनों की पहले रेकी करते थे। मौका मिलते ही ट्रकों को चोरी कर लिया जाता था। चोरी के बाद इन वाहनों को हापुड़ के ग्राम दीनानाथपुर पुट्ठी स्थित एक गोदाम में ले जाया जाता था। यह गोदाम उन्होंने 50 हजार रुपये प्रति माह के किराए पर लिया हुआ था। यहां गैस कटर की मदद से ट्रकों के पुर्जे अलग किए जाते और फिर उन्हें दिल्ली के विभिन्न बाजारों में बेच दिया जाता था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने तीन चोरी के ट्रक बरामद किए हैं, जिनमें टाटा गुड्स कैरियर, बोलेरो मैक्सी ट्रक और महिंद्रा पिकअप शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस ने दो ऑक्सीजन सिलेंडर, दो एलपीजी सिलेंडर, एक गैस कटर, 28 मास्टर चाबियां, एक मेटल कटर और वाहन खोलने के अन्य औजार भी बरामद किए हैं। पुलिस को मौके से दो ट्रकों के कटे हुए केबिन और नौ चाकू भी मिले हैं, जो इस गिरोह की आपराधिक गतिविधियों की गंभीरता को दर्शाते हैं।

नोएडा एनसीआर के तीनों प्राधिकरण पर किसानों का गंभीर आरोप, अथॉरिटीज के खिलाफ बड़ी पंचायत की तैयारी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर क्षेत्र स्थित खेरली भाव गांव में भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसान, मजदूर और विकास प्राधिकरणों से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई, साथ ही आने वाले दिनों में आंदोलन की रणनीति भी तय की गई। बैठक की अध्यक्षता अबरार अहमद ने की। यह बैठक इसराईल प्रधान के कार्यालय पर संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में किसान और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष इरफान प्रधान ने कहा कि गौतम बुद्ध नगर जिले में कार्यरत तीनों विकास प्राधिकरण लगातार किसानों का उत्पीड़न कर रहे हैं। किसानों की जमीन, मुआवजा, पुनर्वास और रोजगार से जुड़े मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं। किसान अपनी मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन, पंचायत और ज्ञापन जैसे लोकतांत्रिक तरीकों का सहारा ले रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। इरफान प्रधान ने कहा कि प्रशासन की इस अनदेखी के कारण किसानों में भारी रोष है और अब वे मजबूर होकर बड़े आंदोलन की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसान-मजदूरों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर जल्द ही गौतम बुद्ध नगर में तीनों विकास प्राधिकरणों के खिलाफ एक बड़ी पंचायत आयोजित की जाएगी। इस पंचायत में भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। पंचायत के जरिए सरकार और प्रशासन को किसानों की ताकत का एहसास कराया जाएगा। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि स्वतंत्रता सेनानी शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की पुण्यतिथि के अवसर पर 23 मार्च को हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित पीपली में एक दिवसीय विशाल किसान मजदूर जन क्रांति रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में देशभर से किसान और मजदूर बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे। रैली के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार को किसानों की प्रमुख मांगों से अवगत कराया जाएगा। रैली में हरियाणा में हुए पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक के कथित धान घोटाले की सीबीआई जांच, एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने, किसान मजदूरों के लिए मुफ्त शिक्षा और इलाज, नया बीज कानून और बिजली कानून रद्द करने तथा किसानों और मजदूरों का संपूर्ण कर्ज माफ करने जैसी मांगें प्रमुख रूप से उठाई जाएंगी। वक्ताओं ने कहा कि जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। बैठक में मौजूद वक्ताओं ने किसानों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही किसानों की सबसे बड़ी ताकत है। बैठक में छोटे नंबरदार, इरफान प्रधान, भूपेंद्र शर्मा, डॉ. उमर मोहम्मद, नौशाद मिस्त्री, नितिन नागर, अकरम, डॉ. इरफान, हाजी अलीशेर, डॉ. फरासत, तेजवीर, निजामुद्दीन, शाहरुख सहित कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने काटा बवाल

ग्रेटर नोएडा। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के पास स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान शनिवार देर रात एक महिला की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस भी पहुंची, लेकिन समाचार लिखे जाने तक इस मामले में पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं सौंपी गई थी। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, मूल रूप से हरदोई जिले के रहने वाले निरंकार वर्तमान में नोएडा में अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। उनकी 39 वर्षीय पत्नी ज्योति की तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही थी। परिजनों के मुताबिक, ज्योति को पेट में तेज दर्द और अन्य दिक्कतें थीं, जिसके चलते 20 जनवरी को दनकौर क्षेत्र स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों द्वारा जांच के बाद पित्त की थैली में समस्या बताई गई और ऑपरेशन की सलाह दी गई। शनिवार देर रात ऑपरेशन के दौरान अचानक ज्योति की हालत बिगड़ गई और कुछ ही समय बाद उनकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने लापरवाही बरती, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजन और रिश्तेदार आक्रोशित हो गए और अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। उनका कहना था कि अगर समय पर सही इलाज और सावधानी बरती जाती तो ज्योति की जान बचाई जा सकती थी। हंगामे की सूचना पर दनकौर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। पुलिस के अनुसार, परिजन काफी दुखी और आक्रोश में थे, लेकिन उन्होंने किसी भी प्रकार की लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई। परिजन मृतका के शव को बिना पोस्टमॉर्टम कराए ही अपने साथ घर ले गए।

तीनों सेनाओं की झांकी में 'ऑपरेशन सिंदूर: एकजुटता से जीत' को दिखाया गया

झांकी ने तीनों सेनाओं के तालमेल और सिलसिलेवार चित्रण के जरिए कहानी को जीवंत किया

नई दिल्ली। भारतीय सशस्त्र बलों की झांकी में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान तीनों सेनाओं की उस एकजुटता को दिखाया गया, जिसकी बदौलत सीमा पार के आतंकी अड्डों और पाकिस्तान के एयरबेस को नष्ट किया गया था। परेड के दौरान 'ऑपरेशन सिंदूरः संयुक्तता से विजय' शीर्षक से झांकी पेश की गई। इस झांकी ने राष्ट्र के विकसित सैन्य सिद्धांत का सशक्त और आधिकारिक प्रतिनिधित्व किया, जो सटीकता, एकीकरण और स्वदेशी परिवर्तन का प्रतीक है। इस झांकी के जरिये यह बताने की कोशिश की गई कि भारत में आत्मनिर्भर सैन्य शक्ति का युग आ चुका है। भारतीय सशस्त्र बलों की झांकी में ऑपरेशन सिंदूर ने आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती ताकत और विकसित भारत@2047 की ओर देश की अटूट यात्रा का उदाहरण पेश किया। झांकी ने तीनों सेनाओं के तालमेल और सिलसिलेवार चित्रण के जरिए इस कहानी को जीवंत किया। शुरुआती भाग में भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत को दिखाया गया, जिसमें समुद्र पर कंट्रोल और दुश्मन को किसी भी ऑपरेशनल आजादी से निर्णायक रूप से रोकना शामिल है। यह सहजता से भारतीय सेना के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, जिसमें एम-777 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर सटीक और सुनियोजित मारक क्षमता से शत्रु के इरादों को विफल कर देते हैं। इनके पीछे

आकाश वायु रक्षा प्रणाली खड़ी है, जो भारत की बहुस्तरीय और एकीकृत वायु रक्षा कवच तथा अभेद्य हवाई क्षमता का प्रतीक है। झांकी के केंद्र में हमले की कहानी सामने आती है, जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत के 'न्यू नॉर्मल' को दिखाती है। इसमें तेजी से जवाब देना, संयमित तरीके से आगे बढ़ना और बिना किसी चूक के सटीकता के साथ हमला करना शामिल है। झांकी में यह भी दिखाया गया कि एक हारोप मिसाइल ने दुश्मन के हवाई रक्षा रडार को कैसे नष्ट कर दिया, जो मानव रहित सटीक युद्ध में भारत की बढ़ती बढ़त को दर्शाता है। इसके बाद स्कैल्प मिसाइलों से लैस एक राफेल विमान ने आतंकी ढांचे पर सटीक हमला किया। एसयू-30 एमकेआई ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल दागकर मजबूत विमान आश्रयों को नष्ट कर दिया, जिससे हमले की गति और तेज हो गई, यह भारत की गहरी, तीव्र और त्रुटिहीन आक्रमण करने की क्षमता का स्पष्ट प्रदर्शन था। यह ऑपरेशन भारत के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस नेटवर्क की बढ़ी हुई पहुंच के साथ अपने चरम पर पहुंचता है। एस-400 सिस्टम 350 किलोमीटर की सबसे लंबी दूरी पर ऑपरेशन को अंजाम देते हुए दुश्मन के एयरबोर्न अर्ली-वार्निंग प्लेटफॉर्म को बेअसर करके साफ संदेश देता है कि भारत सबसे पहले पता लगाता है, सबसे पहले फैसला करता है और सबसे पहले खत्म करता है। ऑपरेशन सिंदूर का हर चरण एकजुटता और इंटीग्रेशन की परिपक्वता को दिखाता है, जिसमें सभी क्षेत्रों में इंटेलिजेंस को मिलाकर टारगेट सटीकता से चुने गए और कम से कम नुकसान के साथ मकसद हासिल किए गए। यह कहानी एक मजबूत राष्ट्रीय संकल्प को पक्का करती है कि आतंकवाद और खून-खराबा एक साथ नहीं चलेंगे और जो लोग आतंकवाद को बढ़ावा देंगे या पनाह देंगे, उन्हें तेज, सटीक और भारी नतीजों का सामना करना पड़ेगा। यह झांकी इस बात पर जोर देती है कि स्वदेशी रक्षा प्रणालियां न सिर्फ़ बराबरी कर रही हैं, बल्कि वे आगे बढ़ रही हैं। यह एक ऐसे राष्ट्र को दिखाती है, जहां तीनों सेनाओं के बीच तालमेल, नागरिक-सैन्य तालमेल और रियल-टाइम ऑपरेशनल कोआर्डिनेशन विश्वसनीय शक्ति प्रदर्शन की रीढ़ हैं। संक्षेप में ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ़ एक सैन्य जवाब नहीं है, बल्कि यह भारत की रणनीतिक घोषणा है कि एकजुटता से जीत अब उसकी ऑपरेशनल पहचान है।

सरकार्यवाह होसबाले ने दिल्ली के संघ कार्यालय पर फहराया तिरंगा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस पर यहां के झंडेवाला स्थित संघ कार्यालय 'केशव कुंज' में राष्ट्रध्वज फहराया। होसबाले ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि आज हमें अपने जीवन में भारत के चिरंतन आध्यात्मिक मूल्यों को, नागरिक कर्तव्यों को, अपने राष्ट्रधर्म को पालन करने के लिए प्रण लेना चाहिए। अपने संविधान की सुरक्षा, भारत की एकात्मकता- एकता की सुरक्षा, भारत की सीमाओं की सुरक्षा करना हमारा परम राष्ट्रीय कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष गणतंत्र दिवस भीष्म अष्टमी के पावन अवसर के साथ आया है, जो इसे और भी विशेष बनाता है। महाभारत के भीष्म पितामह के जीवन से प्रेरणा लेने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि भीष्म पितामह ने राजधर्म, प्रजाधर्म और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का जो मार्ग दिखाया, वह आज भी प्रासंगिक है। चरित्र, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा पर आधारित जीवन ही सच्चा प्रजाधर्म है, जबकि सज्जनों की रक्षा और दुष्ट शक्तियों का दमन करना राजधर्म का मूल तत्व है। होसबाले ने तिरंगे, अशोक चक्र और राष्ट्रीय आदर्श वाक्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की आत्मा सत्य और धर्म पर आधारित है। उन्होंने सत्यमेव जयते और यतो धर्मस्ततो जयः को भारतीय शासन, न्याय व्यवस्था और लोकतंत्र की मूल भावना बताया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की रक्षा, भारत के तिरंगे और राष्ट्रीय एकात्मकता की रक्षा, यह सब सत्य और धर्म के आधार पर है। सरकार्यवाह ने कहा कि जो बात भीष्म ने बताई थी, वही बात भारत की सनातन परंपरा है। वही बात आधुनिक युग में भी प्रासंगिक है और विश्व के

लिए एक श्रेष्ठ उदाहरण है। इसलिए हमें भारत के गणतंत्र की रक्षा करने के लिए समाज के प्रति प्रीत, प्रेम, संवेदना, हमारे दुर्बल लोगों के प्रति स्नेह और आत्मीयता, उनकी सेवा की भावना रखनी है। होसबाले ने कहा कि भारत के प्रत्येक क्षेत्र में, प्रत्येक आयाम में जीवन को विकसित करने के लिए अपने को हर क्षण, हर कण प्रयत्न करना चाहिए। संघ के स्वयंसेवकों ने इसी साधना को पिछले सौ वर्षों से किया है। भारत के गणतंत्र की रक्षा, भारत के समाज की सेवा, भारत के राष्ट्र धर्म को ज्ञात करके उसकी प्रेरणा से आगे बढ़ना। आज के दिन भी यही हमारे लिए अत्यंत प्रासंगिक संदेश है। इसी बात को हम सभी न केवल स्मरण रखें, इसके लिए अपने जीवन में सतत सक्रिय रहें, सजग रहें, उसी कर्तव्य को निभाने के लिए आगे बढ़ें। सरकार्यवाह होसबाले ने कहा कि भारत एक यशस्वी लोकतंत्र के रूप में विश्वभर में प्रसिद्ध है। प्राचीन काल से ही भारत में गणराज्य की रचना रही है और देश ने दुनिया के समक्ष गणतांत्रिक व्यवस्था का आदर्श प्रस्तुत किया है।

संक्षिप्त खबरें

लूटपाट के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के विकासपुरी इलाके में चाकू की नोक पर हुई लूट के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से लूट की पूरी रकम एक हजार रुपये, वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू और एक चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर ने सोमवार को बताया कि 23 जनवरी को विकासपुरी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति से दो अज्ञात बदमाशों ने चाकू दिखाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर मुकदमा दर्ज किया।पुलिस उपायुक्त के अनुसार लूट की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के निर्देशों के तहत थाना विकासपुरी में एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी और सर्विलांस के जरिए आरोपितों की गतिविधियों पर नजर रखी। खुफिया सूचनाओं के आधार पर दोनों संदिग्धों की पहचान कर उनके ठिकानों पर दबिश देकर उन्हें दबोचा। पकड़े गए आरोपितों की पहचान अलीमुद्दीन (25) और राहुल उर्फ पेंटर (24) के रूप में हुई है। दोनों विकासपुरी के रहने वाले है। पुलिस अधिकारी के अनुसार जांच में पता चला है कि अलीमुद्दीन के खिलाफ पहले से 6 आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिनमें 3 लूट, 2 चोरी और 1 झपटमारी का मामला शामिल है।

न्यू उस्मानपुर में चाकूबाजी, युवक-युवती घायल

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात चाकूबाजी की एक घटना सामने आई है। पुलिस के अनुसार 24 जनवरी की रात करीब 8:15 बजे कसवी ओयो होटल, उस्मानपुर में चाकू मारने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां 23 वर्षीय युवक और 21 वर्षीय युवती घायल अवस्था में मिले। पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत जग प्रवेश चंद्र (जेपीसी) अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल रेफर कर दिया गया। दोनों की हालत पर डॉक्टरों की निगरानी बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और साक्ष्य एकत्र किए।

वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय पर फहराया तिरंगा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की मौजूदगी में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा झंडा फहराया। इस अवसर पर सचदेवा ने सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों और एसआईसी के गार्ड्स को मिठाई खिलाकर गणतंत्र दिवस की बधाई दी। सचदेवा ने कहा कि आज गणतंत्र दिवस पर संविधान के आदर्शों- न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता का सम्मान करते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भारतीय गणतंत्र की मज़बूती हमारे सशस्त्र बलों, स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के बलिदानों का परिणाम है। हम सबका प्रयास यह होना चाहिए कि हम अपने देश को एकता, प्रगति और समृद्धि की ओर ले जाएं। युवा पीढ़ी को मतदाता के रूप में अपनी भूमिका निभाने और संविधान की रक्षा करने के लिए प्रेरित करना हमारा कर्तव्य है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने दिल्लीवासियों से खासकर युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों को समझें, मतदान जैसे संवैधानिक अधिकार के प्रति सजग रहें और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और दिल्लीवासियों का कर्तव्य है कि वे सकारात्मक सोच, अनुशासन और देशभक्ति की भावना के साथ भारत को विश्व में गौरवशाली स्थान दिलाने में सहयोग करें। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार भाटिया, कार्यालय मंत्री ब्रजेश राय और सह कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता, अल्पसंख्याक मोर्चा अध्यक्ष अनीस अब्बासी, प्रदेश मीडिया प्रभारी विक्रम मित्तल, प्रदेश प्रवक्ता ममता त्यागी सहित कई प्रमुख पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर दिल्ली विश्वविद्यालय में कुलपति ने फहराया झंडा

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर दिल्ली विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने झंडा फहराया। कुलपति ने सभी देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। इस अवसर कुलपति ने एनसीसी कैडेटों के परेड की सलामी भी ली। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि 300 बीसी पहले चाणक्य जनपदों में बंटे जिस देश को एक करने का अभियान चला रहे थे, आज वही

भारत अपने सफल गणतंत्र के 76 वर्ष पूर्ण कर चुका है। इसके लिए उन्होंने संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ भीमराव अंबेडकर और देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का आभार जताते हुए कहा कि डॉ अंबेडकर ने मजबूत केंद्र वाले भारत "यूनियन ऑफ स्टेट्स" की वकालत की और सरदार पटेल ने उस दौर में रियासतों को मनाने, समझाने और जरूरत पड़ने पर धमकाने का काम किया ताकि एकीकृत भारत बन सके। अगर वह सफल न होते तो क्या होता? यह बड़ा प्रश्न है और आज के दिन इस पर हमें विचार करना चाहिए। प्रो. योगेश सिंह ने अनेकों विभूतियों का नाम लेते हुए कहा कि आज का दिन संविधान का निर्माण करने वाले सभी राष्ट्र भक्तों, सभी स्वतंत्रता सेनानियों और देश के लिए किसी भी रूप में अपना योगदान देने वाले राष्ट्र प्रेमियों को याद करने का दिन है। कुलपति ने कहा कि आज का दिन यह संकल्प लेने का भी दिन है हमें कि राष्ट्र के हित की चिंता करने वाले मनों को तैयार करना है।

कर्तव्य पथ पर दिखी भारत की घुड़सवार सेना, कैप्टन अहान कुमार ने किया नेतृत्व

नई दिल्ली। कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में 61वीं घुड़सवार सेना टुकड़ी का भी प्रदर्शन किया गया, जिसका नेतृत्व कैप्टन अहान कुमार ने किया। भारत की घुड़सवार सेना की परंपराओं और परिचालन भूमिका निभाने वाली इस रेजिमेंट का आदर्श वाक्य 'अश्व शक्ति यशोबल' (अश्व शक्ति सदा सर्वोच्च) है। यह दुनिया की एकमात्र सक्रिय घुड़सवार सेना रेजिमेंट है, जो वीरता, घुड़सवारी और वीरता की कालातीत परंपराओं को संरक्षित करती है।

यह यूनिट गुजरात, राजस्थान, पंजाब और दूसरे इलाकों में जानकारी इकट्ठा करने के लिए छोटी टीमों में काम कर सकती है। 39 बैटल ऑनर्स के शानदार रिकॉर्ड के साथ, 61वीं कैवेलरी ने स्पोर्ट्स के फील्ड में भी बेमिसाल पहचान बनाई है। 01 अक्टूबर, 1953 को राज्य बल घुड़सवार इकाइयों के एकीकरण के माध्यम से स्थापित रेजिमेंट 23 सितंबर 1918 के ऐतिहासिक हाइफा कैवलरी चार्ज पर वापस जाने के लिए एक गौरवशाली वंशावली रखती है। इस रेजिमेंट को कई बड़े सम्मान मिले हैं, जिनमें पद्मश्री, कई एशियन गेम्स और वर्ल्ड कप मेडल और पोलो और घुड़सवारी के खेलों में बेहतरीन काम के लिए 12 अर्जुन अवॉर्ड शामिल हैं। रेजिमेंट के ऑफिसर्स और जवानों ने ओलंपिक गेम्स में भारत को गर्व से प्रदर्शित करके कई एशियन गेम्स मेडल जीते हैं।कर्तव्य पथ पर घुड़सवार टुकड़ी के बाद 6 लांसर्स अपनी हाई मोबिलिटी रिकोनिसेंस व्हीकल के साथ आए, जिसे लेफ्टिनेंट अर्जुन कश्यप लीड कर रहे थे।उन्होंने तक्षक प्लेटफॉर्म पर भारत का पहला देश में डिजाइन किया गया हाई मोबिलिटी रिकोनिसेंस व्हीकल (एचएमआरवी) दिखाया। बैटलफील्ड सर्विलांस रडार से लैस यह वाहन लोगों, गाड़ियों और नीचे उड़ने वाले हेलीकॉप्टरों का पता लगा सकते हैं। साथ ही रडार ब्लाइंड ज़ोन को कवर करने के लिए ड्रोन, एडवांस्ड कम्युनिकेशन और एंटी-ड्रोन गन भी हैं। एचएमआरवी छोटी टीमों को दुश्मन के पेट्रोल और बख्तरबंद टारगेट को भी नष्ट करने में मदद करता है।

इसके बाद स्वदेशी एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव का अनुसरण किया गया, जिसे कर्नल विजय प्रताप ने उड़ाया, जो टोही और फायर-सपोर्ट मिशनों के लिए लंबी दूरी के रडार और दिन-रात कैमरों के साथ भारत के स्वदेशी हेलीकॉप्टर का प्रदर्शन करता है। ध्रुव को हिंदुस्तान

संपादकीय

ट्रंप के चापलूसों का बोर्ड

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) की स्थापना का प्रयास किया है, उसमें अभी तक वे 19 देश शामिल हुए हैं, जो अमरीका की चापलूसी करने को बाध्य हैं। अलग-अलग कारणों से अमरीका के मोहताज हैं। अमरीका ही उन्हें सुरक्षा की गारंटी देता है और वह ही आर्थिक मदद करता है। उन 19 में से 12 देश इस्लामिक हैं। उनमें पाकिस्तान ने भी 'शांति बोर्ड' की सदस्यता के लिए दस्तखत किए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जब प्रारूप पर दस्तखत किए, तो सीडीएफ आसिम मुनीर भी सामने बैठे थे। अब इस फैसले के खिलाफ पाकिस्तान में 'जेहाद' के नारे बुलंद किए जा रहे हैं। इसके कुछ खास कारण हैं। पाकिस्तान अभी तक इजरायल को एक देश के तौर पर मान्यता नहीं देता। वह फिलिस्तीन का समर्थक रहा है, लेकिन अब पाकिस्तान के 4000 फौजियों को गाजा क्षेत्र में इजरायल सेना के नेतृत्व में काम करना पड़ेगा। ट्रिगर इजरायल के हाथ में होगा और लडने-मरने वाले मुस्लिम फौजी होंगे। पाकिस्तान के मुस्लिम फौजियों को फिलिस्तीन, गाजा, हमास के मुसलमानों पर ही गोली चलानी पड़ेगी। जाहिर है कि मुसलमान ही मुसलमान का कत्ल करेगा! अहम और बुनियादी कारण यह है कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद को विश्वास में क्यों नहीं लिया? संसद की इजाजत के बिना इतना अहम फैसला कैसे ले लिया गया कि पाकिस्तान के 4000 फौजी गाजा में सक्रिय रहेंगे। उन्हें जो 1000 डॉलर प्रति का मेहनताना मिलेगा, वह 40 लाख डॉलर की राशि सीडीएफ आसिम मुनीर हासिल करेगा। फौजियों को जो देना होगा, वह हुकूमत तय करेगी। फौजी की मौत के बाद पर्याप्त मुआवजा और सम्मान राशि कितनी होगी और कौन देगा, यह अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। उस पर भी मुनीर की 'डकैत निगाहें' होंगी! पाकिस्तान में कट्टरपंथी जमात इसे 'इस्लाम-विरोधी' और 'अल्लाह-विरोधी' फैसला करार दे रही है। खासकर सीडीएफ मुनीर के खिलाफ फतवे जारी किए जा रहे हैं। अवाम का मानना है कि शहबाज-मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रंप के सामने दंडवत आत्मसमर्पण कर दिया है, क्योंकि पाकिस्तान को पैसा चाहिए। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे मुस्लिम देशों ने पाकिस्तान को कर्ज देने से इंकार कर दिया है। चीन अपने उधार दिए गए कर्ज को वापस मांग रहा है। यदि आईएमएफ और विश्व बैंक से आर्थिक पैकेज की अपेक्षा करनी है, तो अमरीका ही एकमात्र सहारा है। राष्ट्रपति ट्रंप के इशारे पर ही पाकिस्तान को नया कर्ज मिल सकता है। पाकिस्तान पर फिलहाल 130 अरब डॉलर के करीब का कर्ज है। पाकिस्तान के हरेक नागरिक पर औसतन 3,63,831 पाक रुपए का कर्ज है। करीब 60 फीसदी अवाम गरीबी-रेखा के नीचे जीने को विवश है।

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का स्वैच्छिक योगदान

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़रूरतें असाधारण नहीं हैं; उन्हें न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त है। फिर भी, सरकारें उन्हें औपचारिक श्रम अधिकारों से वंचित रखती हैं और उन्हें स्वयंसेवक या परियोजना कार्यकर्ता कहती हैं। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 तक हुई देशव्यापी हड़तालें इस दीर्घकालिक उपेक्षा की सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक उदाहरण हैं। सन् 1975 में आईसीडीएस और सन् 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आंगनवाड़ी योजना और आशा योजना शुरू की गई। इसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण प्रणालियों को सशक्त बनाना था। शुरुआत में, सरकारी खर्च को सीमित करने के लिए स्वैच्छिक प्रणाली अपनाई गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये महिलाएं पूर्णकालिक कामगारों के रूप में कार्यरत हैं। आशा कार्यकर्ता को 1,000 लोगों की देखभाल करनी होती है, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ 40 बच्चों की देखभाल, पोषण वितरण और रिकॉर्ड रखने का काम करती हैं।

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

भारत के ग्रामीण समाज में महिला सशक्तिकरण, पोषण और स्वास्थ्य काफी हद तक आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर निर्भर करता है। ये वे महिलाएं हैं जो घर-घर जाकर टीकाकरण करती हैं, बच्चों में कुपोषण का पता लगाती हैं, गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव में सहायता करती हैं और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कोविड-19 जैसी महामारी में इन्हें अग्रिम पंक्ति के सैनिकों की तरह इस्तेमाल किया गया था, लेकिन आजकल ये महिलाएं सड़कों पर हैं, उनका गंतव्य पश्चिम बंगाल का सियालदह रेलवे स्टेशन या कर्नाटक का फाउंटेन चौक है। उनकी स्थिति भी बेहतर नहीं है: क्या राष्ट्र के स्वास्थ्य की देखभाल करने वाली इन महिलाओं को श्रमिक का दर्जा नहीं दिया जाएगा?

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़रूरतें असाधारण नहीं हैं; उन्हें न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, तृतीय श्रेणी कर्मचारी का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त है। फिर भी, सरकारें उन्हें औपचारिक श्रम अधिकारों से वंचित रखती हैं और उन्हें स्वयंसेवक या परियोजना कार्यकर्ता कहती हैं। दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 तक हुई देशव्यापी हड़तालें इस दीर्घकालिक उपेक्षा की सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक उदाहरण हैं।

सन् 1975 में आईसीडीएस और सन् 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आंगनवाड़ी योजना और आशा योजना शुरू की गई। इसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण प्रणालियों को सशक्त बनाना था। शुरुआत में, सरकारी खर्च को सीमित करने के लिए स्वैच्छिक प्रणाली अपनाई गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ये महिलाएं पूर्णकालिक कामगारों के रूप में कार्यरत हैं। आशा कार्यकर्ता को 1,000 लोगों की देखभाल करनी होती है, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ 40 बच्चों की देखभाल, पोषण वितरण और रिकॉर्ड रखने का काम करती हैं।

2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि वैधानिक पदों पर न होने के कारण वे सरकारी कर्मचारी हैं, लेकिन इस फैसले को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि, 2022 के एक फैसले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2013 के आईसीडीएस अधिनियम के अनुसार ग्रेच्युटी का अधिकार दिया गया। बाद में, 2024 में गुजरात उच्च न्यायालय ने समानता के सिद्धांत के आधार पर उन्हें राज्य कर्मचारी के रूप में स्वीकार किया, जबकि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पदोन्नति के मुद्दे पर विचार करने का निर्देश दिया। इसके बावजूद, केंद्र और राज्य की नीतियां असंगत और अनियमित हैं।

मानदेय का प्रचलन शर्मनाक है। आशा कार्यकर्ताओं को 3,500 से 6,000 के बीच न्यूनतम मानदेय मिलता है, और वह भी प्रोत्साहन राशि पर आधारित है। कर्नाटक में 6,000 का मानदेय निर्धारित है, लेकिन इसका भुगतान आठ-नौ महीने देरी से होता है। आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों को औसतन 15,000 मिलते हैं। कोई अवकाश नहीं, कोई परिवहन भत्ता नहीं, उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण नहीं। मातृत्व अवकाश भी बहुत कम हैं, और कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है।

चूंकि यह शब्द स्वयंसेवकों पर लागू होता है, इसलिए वे न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 और चार नए श्रम कानूनों के दायरे से बाहर हैं। 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन में न्यूनतम मजदूरी के लिए 26,000 की सिफारिश अभी तक लागू नहीं की गई है। ईपीएफ और ईएसआई जैसी कोई सामाजिक सुरक्षा योजना नहीं है। सेवानिवृत्ति पेंशन में 1,200 की वृद्धि की मांग वर्षों से बनी हुई है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ई-श्रम कार्ड कोई पात्रता प्रदान नहीं करता, बल्कि केवल डेटा एकत्र करता है।

विडंबना यह है कि देश में कुपोषण और शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाएं स्वयं ही असुरक्षित हैं। एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 35 प्रतिशत बच्चे बौनेपन के शिकार हैं और शिशु मृत्यु दर प्रति हजार 28 है। आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इन आंकड़ों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड-19 के दौरान 500 से अधिक कर्मचारी शहीद हो गए और मुआवजे की घोषणा भी की गई, लेकिन भुगतान में भारी देरी हुई। मानसिक तनाव, कार्यभार और हरियाणा जैसे राज्यों में 20 प्रतिशत रिक्त पदों के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। यह एक राजनीतिक स्तर की समस्या है जिसे स्वीकार किया गया है। 16 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में सोनिया गांधी ने इस मुद्दे को उठाया था। बजट 2026 में कुछ संकेत दिए गए थे, लेकिन कोई निश्चित और बाध्यकारी निर्णय नहीं लिया गया। यूनियनों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे और अधिक आंदोलन करेंगे।

समाधान ढांचागत होने चाहिए, न कि आधे-अधूरे उपाय। श्रम कानूनों के माध्यम से योजना के तहत कामगारों को कर्मचारी का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसके लिए न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये, पेंशन 10,000 रुपये और ईपीएफ अनिवार्य होना चाहिए। केंद्र सरकार को कम से कम 50 प्रतिशत मानदेय का भुगतान करना चाहिए और राज्यों को सभी रिक्त पदों को तुरंत भरना चाहिए। अतिरिक्त समय, मातृत्व अवकाश, स्थायी कार्यस्थल, ऑनलाइन प्रशिक्षण और श्रमिक संघों की मान्यता प्रदान की जानी चाहिए। पंचायती राज के माध्यम से स्थानीय स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएँ कार्यक्रमों में केवल नाममात्र की हस्तियाँ नहीं हैं; बल्कि लाखों परिवारों की वास्तविक आशा हैं। स्वयंसेवक होने और काम करने के बीच का यह अंतर एक स्पष्ट अन्याय है। गणतंत्र के 77वें वर्ष में, जब भारत वैश्विक नेता होने का दावा करता है, इन महिलाओं के सम्मान का मुद्दा नीतिगत प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिकता का संवैधानिक प्रश्न है। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किसी भी योजना का पूरक नहीं हैं, बल्कि भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्हें स्वयंसेवी कहकर उनके श्रम अधिकारों से वंचित करना सामाजिक न्याय और संवैधानिक समानता का अपमान है। महामारियों, कुपोषण और मातृ मृत्यु दर से देश को बचाने के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ी होने वाली महिलाएं वर्तमान स्थिति में स्वयं असुरक्षित हैं। ये प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि समय कम होता जा रहा है। यदि गणतंत्र को मजबूत करना है तो इन महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और अधिकार मिलने चाहिए। न्याय में देरी संभव है, लेकिन उससे बचा नहीं जा सकता। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किसी भी योजना में योगदान नहीं दे रही हैं, लेकिन वे भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र की रीढ़ हैं। उन्हें स्वयंसेवक कहकर श्रम अधिकार देने से इनकार करना सामाजिक न्याय और संवैधानिक समानता का अपमान है। जिन महिलाओं ने महामारियों, कुपोषण और मातृ मृत्यु दर से देश को बचाने के लिए काम किया, वे आज खुद असुरक्षित हैं। ये प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि समय बीत रहा है। यदि गणतंत्र को मजबूत करना है तो इन महिलाओं को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान मिलना आवश्यक है।

मुक्त व्यापार का सुकूनदेह परिदृश्य

-डा. जयंतीलाल भंडारी-

यकीनन इस समय भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। 21 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच की 56वीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरे करीबी दोस्त और एक सम्मानित वैश्विक नेता हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत शीघ्र ही एक शानदार व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को आकार देते हुए दिखाई देंगे। इसी तरह 20 जनवरी को यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर अपने संबोधन में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक ऐसे ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की कगार पर हैं, जिससे दो अरब लोगों का विशाल बाजार बनेगा। यह बाजार वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। उन्होंने इस समझौते को सभी समझौतों की जननी करार दिया है। वस्तुतः भारत और 27 देशों के ईयू के बीच एफटीए पर पिछले 18 वर्षों से जारी वार्ता अंतिम दौर में है। उम्मीद है कि 27 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित भारत-यूरोपीय शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला और यूरोपीयन परिषद के अध्यक्ष एंटोनिया कास्टा की उपस्थिति में भारत-यूरोपीय संघ के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। गौरतलब है कि भारत और ईयू के बीच यह एफटीए एक ऐसे समय में सुनिश्चित हो रहा है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत और यूरोपीय देशों के खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल करके भारत और ईयू दोनों के वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर रहे हैं। पिछले वर्ष भारत और ईयू के बीच 135 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार हुआ है।

ऐसे में ईयू से एफटीए टेक्सटाइल व कृषि निर्यात को सबसे अधिक लाभ दे सकता है। अभी कृषि, मांस और अन्य प्रोसेस्ड उत्पादों को ईयू में निर्यात करने पर 15.2 प्रतिशत तो टेक्सटाइल व गारमेंट पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगता है। व्यापार समझौते के बाद ईयू के बाजार में इन वस्तुओं पर शून्य शुल्क हो जाएगा और इन भारतीय उत्पादों का निर्यात ईयू के बाजार में कई गुना बढ़ जाएगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पिछले वर्ष मार्च 2025 से भारत और अमेरिका बीच बीटीए को लेकर चली आ रही वार्ता का सातवां दौर 13 जनवरी से भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियागोर की पहल पर शुरू हुआ है और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शीघ्र ही बीटीए के आकार लेने की बात कही है। यद्यपि 19 जनवरी को अमेरिका-भारत स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसीडेंट मुकेश अघी ने कहा है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापक व्यापार समझौता आगामी तीन महीनों में संभावित है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के लिए बार-बार वार्ता के लक्ष्य बदले हैं। शुरुआत में ट्रंप ने कहा कि भारत अमेरिका से अधिक खरीद कर व्यापार घाटे को कम करे। उसके बाद वे रूसी तेल पर केंद्रित हो गए और पिछले दिनों यह समझौता केवल भारत द्वारा ट्रंप को खुश नहीं किए जाने से अधर में लटका हुआ बताया गया था। ऐसे में भारत के लिए उपयुक्त यही है कि वह अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता आगे बढ़ाते हुए अमेरिका के बाजार में निर्यात में रुकावट और ऐसे निर्यात की भरपाई के लिए नई वैकल्पिक व्यवस्था स्थापित करने की रणनीति के साथ आगे बढ़े। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारत के लिए पिछले वर्ष 2025 में ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए एफटीए का इस वर्ष 2026 में कार्यान्वयन अहम होगा। विगत माह 22 दिसंबर को भारत और न्यूजीलैंड ने नौ महीने की लगातार बातचीत के बाद एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसकी घोषणा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि भारत-न्यूजीलैंड की साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचने वाली है और इस एफटीए से अगले 5 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने में मदद मिलेगी।

इस एफटीए के तहत न्यूजीलैंड में 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क सुनिश्चित किया गया है। साथ ही न्यूजीलैंड ने भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की प्रतिबद्धता भी जताई है। दूसरी ओर भारत ने न्यूजीलैंड के 70 प्रतिशत उत्पादों के लिए शुल्क में नरमी की पेशकश की है, जो 95 प्रतिशत द्विपक्षीय व्यापार मूल्य को कवर करती है। इस एफटीए से 30 प्रतिशत उत्पादों के लिए शुल्क खत्म हो जाएगा। खास बात यह है कि इस एफटीए के तहत लगभग 29.97 प्रतिशत उत्पादों को सूची से बाहर रखा गया है। इनमें दूध, दही, पनीर, भेड़ मांस, मट्ठा के साथ अन्य पशु उत्पाद, चना, मक्का, बादाम, चीनी, प्याज जैसी वस्तुएं शामिल हैं। एफटीए लागू होने के बाद न्यूजीलैंड के लिए भारत का शुल्क घटकर 13.18 प्रतिशत रहेगा। यह एफटीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह एफटीए भारत के लिए सबसे प्रमुख सेवाओं की ऐसी पेशकश करता है, जो अब तक किसी भी पिछले एफटीए में शामिल नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि विगत माह 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक की मौजूदगी में मस्कट में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के उनके समकक्ष कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एफटीए को आधिकारिक तौर पर समग्र आर्थिक भागीदारी समझौता (सीपा) कहा गया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत-ओमान एफटीए के तहत भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान के बाजार में शून्य पर पहुंच मिलेगी। इसमें ओमान को होने वाले 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात शामिल हैं। इस समझौते से भारत के कपड़ा, रत्न-आभूषण, दवाई, वाहन, कृषि उत्पाद और चमड़ा उद्योग को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। खास तौर से भारत से करीब 3.64 अरब डॉलर के निर्यात पर ओमान में फिलहाल लगने वाला 5 प्रतिशत शुल्क शून्य हो जाएगा। इसके बदले में भारत ने ओमान से आने वाले विभिन्न उत्पादों पर आयात शुल्क में कमी सुनिश्चित की है। इसी तरह विगत वर्ष भारत और ब्रिटेन के बीच किया गया एफटीए भी महत्वपूर्ण है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच एफटीए से दोनों देशों के बीच आपसी कारोबार ऊंचाई पर होगा और नए अवसर बेजोड़ होंगे।

इन सबके साथ-साथ 2026 में मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ एफटीए के लाभ अधिक मिलते हुए दिखाई देंगे। साथ ही वर्ष 2026 में पेरू, चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए आकार लेते हुए दिखाई देंगे।

पांच मंत्र जिनसे आप सफलता की ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं

योग में पांच यम, पांच नियम, जैन परंपरा में पांच महाव्रत और बौद्ध धर्म के पांच शील प्रसिद्ध हैं। आज को दौर में उनके नए संस्करण जरूरी हैं। यम नियम और पंच महाव्रत या शील निजी जीवन को संस्कारित करने और सुगठित बनाने के लिए है। परंतु उनका शुद्धतम अर्थों में पालन करना कठिन है। बेहतर है कि पहले व्यावहारिक पंचशीलों को व्यवहार में शामिल रखा जाए। पारंपरिक योगसाधना में शामिल पंचशीलों को सुबोध अर्थों में समझना चाहें तो उन्हें श्रमशीलता, मितव्ययिता, शिष्टता, सुव्यवस्था और सहकारिता के नाम दे सकते हैं। नए पंचशीलों के नाम इस प्रकार हैं...

श्रमशीलता :- आरामतलबी की बजाए श्रम करने में बड़प्पन अनुभव करें। तत्परता और तन्मयता भरे परिश्रम से जोड़ कर दिनचर्या बनाई जाए।

मितव्ययता :- अमीरी के प्रदर्शन से सम्मान नहीं मिलता, ईर्ष्या ही उपजती है। लिहाजा कम खर्च में काम चलाते हुए सादा जीवन उच्च विचार का नीति को अपनाया जाए। जरूरतमंदों की सेवा में लगाएं।

शिष्टता :- कहा जाता है कि शालीनता बिना मोल मिलती है, परन्तु उससे सब कुछ खरीदा जा सकता है।

सुव्यवस्था :- समय, श्रम, मनोयोग, जीवनक्रम, शरीर, सामर्थ्य का सुनियोजन करें। उन्हें ऐसे संभाल कर रखना चाहिए कि उनका समुचित लाभ उठाया जा सके।

सहकारिता :- मिलजुलकर काम करना। परिवार, कारोबार, लोकव्यवहार में, सामंजस्य, साथ-साथ काम करने की प्रवृत्ति बनी रहे। एकाकी और नीरसता, निराशा भरे वातावरण से बचें।

आज का इतिहास

1823 - अमेरिका के राष्ट्रपति जेम्स मोनरो ने दक्षिण अमेरिका के लिये पहला राजदूत नियुक्त किया।

1880 - थॉमस अल्वा एडीसन ने बिजली से चलने वाले बल्ब का पेटेंट कराया।

1888 - नेशनल ज्योग्रॉफिक सोसाइटी का वाशिंगटन में आयोजन किया गया।

1891 - पेंसिल्वेनिया के माउंट प्लीसेंट में खदान विस्फोट में 109 लोग मारे गये।

1905 - मौरिस राउविएर ने फ्रांस में सरकार बनायी।

1915 - अमेरिकी मरीन ने हैती पर क़ब्ज़ा किया।

1943 - अमेरिका ने जर्मनी पर पहली बार हवाई हमला किया।

1944 - सोवियत सेना ने जर्मनी और फिनलैंड की सेनाओं को सेंट पीटर्सबर्ग से निकालकर पिछले 872 दिन की घेराबंदी को समाप्त किया।

1948 - पहला टेप रिकॉर्डर बिका।

1959 - नयी दिल्ली में पहले इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज की आधार शिला रखी गयी।

1964 - फ्रांस ने कम्युनिस्ट चीन को मान्यता दी और उसके साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने पर सहमति जताई।

1967 - 'अपोलो 1' दुर्घटना में तीन अंतरिक्ष यात्रियों की मौत हो गई।

1969 - इराक की राजधानी बगदाद में 14 लोगों को जासूसी के अपराध में फाँसी की सजा सुनायी गयी।

1974 - राष्ट्रपति वी. वी. गिरि ने नयी दिल्ली के तीन मूर्ति स्थित नेहरु मेमारियल म्यूजियम को राष्ट्र को समर्पित किया।

1988 - पहली बार हेलीकॉप्टर डाक सेवा का उद्घाटन किया गया।

1996 - पाकिस्तान को सं.रा. अमेरिका द्वारा 368 करोड़ डॉलर के हथियार आपूर्ति से संबंधित ब्राउन संशोधन को क़ानूनी रूप प्राप्त।

1996 - फ्रांस ने अपना छठा परमाणु परीक्षण किया।

2006 - क्षय रोग के खिलाफ स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में घोषित विश्वव्यापी अभियान के तहत ब्रिटेन ने भारत में इस बीमारी के नियंत्रण के लिए 7.9 करोड़ डॉलर देने का ऐलान किया।

2007 - पाकिस्तान के पेशावर में एक धार्मिक जुलूस से पहले एक फिदायीन बम हमले में 14 व्यक्तियों की मौत।

देश में जल प्रबंधन के भगीरथ प्रयास

उमाशंकर पाण्डेय

वैश्विक जल संकट के बीच भारत में आशा का नया संचार हुआ है। पानी खासतौर पर भूजल के संरक्षण के प्रयास निश्चित तौर पर अच्छे संकेत दे रहे हैं। भूजल के अंतर्गत पृथ्वी का कुल 99 प्रतिशत तरल मीठा पानी समाहित है । यह हमें कई तरह के सामाजिक, आर्थिक तथा पर्यावरणीय लाभ प्रदान करता है। इसमें जलवायु लचीलापन भी शामिल है। देश में भूजल कृषि गतिविधियों और पेयजल आपूर्ति का प्राथमिक आधार है। यह लगभग 62 प्रतिशत सिंचाई आवश्यकता, 85 प्रतिशत ग्रामीण खपत और 50 प्रतिशत शहरी मांग को पूरा करता है। तीव्र जनसंख्या वृद्धि, कृषि गहनता, औद्योगिक विस्तार, और शहरीकरण ने देश में सामूहिक रूप से भूजल प्रणालियों पर दबाव बढ़ा दिया है। इसलिए सतत भूजल प्रबंधन प्रथा को अपनाना अनिवार्य हो गया है। जल का विषय राज्य सरकारों के दायरे में आता है मगर केंद्र सरकार विशेष रूप से जल शक्ति मंत्रालय संबंधित मंत्रालयों के माध्यम से देश भर में दीर्घकालिक भूजल प्रबंधन को मजबूत करने में प्रमुख भूमिका निभाता है।

दरअसल भूजल को समझना जरूरी है। भूजल वह मीठा पानी है जो मिट्टी और चट्टानों में रिसकर भूमिगत यानी भूमि के अंदर संग्रहित हो जाता है, जहां से यह स्वाभाविक रूप से बाहर आता है। यह नदियों और धाराओं के जलस्तर को बनाए रखता है तथा आर्द्रभूमि में पौधों और जंतुओं के आवास को मजबूती से प्रभावित करता है। भूमिगत परत जिसमें पर्याप्त मात्रा में भूजल संग्रहीत और संचालित हो सके, उसे जलभृत कहा जाता है। जलभृतों से पानी स्वाभाविक रूप से बहकर झरनों, धाराओं और नदियों में योगदान दे सकता है या खुदाई वाले कुओं, ट्यूबवेल और बोरवेल के माध्यम से पंप किया जा सकता है।

यह भी समझना जरूरी है कि भूजल प्रबंधन एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन और संरक्षण का हिस्सा है। भूजल प्रबंधन के मूल आधार हैं- भूजल (जलभृतों) के कार्य और उपयोग, उन पर कार्यरत समस्याएँ और दबाव (खतरे), तथा प्रबंधन उपायों का भूजल प्रणाली की समग्र कार्यप्रणाली और स्थिरता पर प्रभाव। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के अनुसार, भूजल संसाधनों के सतत एवं संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी भूजल प्रबंधन में 4 प्रमुख प्राथमिकताएं आवश्यक हैं। देश में व्यापक भूजल भंडार हैं, जिनकी भौतिक विशेषता और उपलब्धता विभिन्न क्षेत्रों में काफी भिन्न है। फिर भी हाल के दशकों में इन संसाधनों पर अत्यधिक निकासी, घटती गुणवत्ता और सीमित नियमन से तनाव बढ़ा है, जो दीर्घकालिक स्थिरता पर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। भूजल प्रणालियों पर बढ़ता दबाव तीव्र और मुख्यतः अनियमित पंपिंग से देश के कई हिस्सों में जलस्तर में तेजी से गिरावट आई है। यह तथ्य भूमिगत स्त्रोतों पर हमारी बढ़ती निर्भरता को भी दर्शाता है।

इससे जल गुणवत्ता का ह्रास होना स्वाभाविक है। खनन गतिविधियों, औद्योगिक अपशिष्टों और कृषि प्रथाओं से उत्पन्न प्रदूषण साथ ही आर्सेनिक और फ्लोराइड जैसे प्राकृतिक तत्वों ने क्रमिक रूप से भूजल गुणवत्ता को प्रभावित किया है। यह प्रवृत्ति दीर्घकालिक पर्यावरणीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। अनियंत्रित निकासी भी इसके कारक हैं। बढ़ते भूजल तनाव और सतत जल सुरक्षा की जरूरत के जवाब में केंद्र सरकार ने भूजल प्रबंधन को मजबूत करने, पुनर्भरण व संरक्षण को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक आकलन में सुधार लाने तथा पूरे भारत में सहभागी एवं परिणामोन्मुखी भूजल प्रबंधन को प्रोत्साहित करने वाली व्यापक नीतियों, कार्यक्रमों एवं समुदाय-प्रेरित पहलों का समूह शुरू किया है। इनमें मॉडल भूजल (विकास एवं प्रबंधन का नियमन और नियंत्रण) विधेयक प्रमुख है। इस मॉडल विधेयक को सभी राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया गया है। इनमें से 21 ने इसे अपनाया है। इनमें बिहार, पंजाब, हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश प्रमुख रूप से शामिल हैं। यही नहीं, केंद्र सक्रिय रूप से राज्य सरकारों के साथ संवाद करता है ताकि भूजल संसाधनों का विवेकपूर्ण नियमन एवं सतत प्रबंधन हो।

जल शक्ति अभियानः कैच द रेन भी प्रमुख है। इस अभियान की शुरुआत 22 मार्च 2021 को विश्व जल दिवस के अवसर पर की गई। यह अभियान जल संरक्षण पर राष्ट्रव्यापी जागरूकता निर्माण एवं सामूहिक कार्रवाई को हर बूंद गिनती का संदेश मजबूत करते हुए प्रोत्साहित करता है। यह देश भर के नागरिकों को व्यावहारिक उपायों एवं समुदाय-स्तरीय सहभागिता से भारत के जल भविष्य के संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। इस अभियान के माध्यम से जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन, सभी जल निकायों की पहचान, जियो-टैगिंग एवं सूचीबद्धता, साथ ही जल संरक्षण के लिए वैज्ञानिक योजना, सभी जिलों में जल शक्ति केंद्र स्थापित करना, केंद्रित वनीकरण और जागरुकता सृजन पर जोर दिया जाता है। साथ ही निष्क्रिय बोरवेलों का पुनर्जीवन भी किया जा रहा है। यह भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देता है।

जल संचय जन भागीदारी पहल को इसमें समाहित किया गया है। यह अभियान 06 सितंबर 2024 को शुरू किया गया। अटल भूजल योजना (अटल जल) सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश के जल-तनावग्रस्त क्षेत्रों में समुदाय-नेतृत्व वाले सतत भूजल प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। 25 दिसंबर 2019 को शुरू की गई यह योजना जल जीवन मिशन के लिए जल स्त्रोतों की स्थिरता का समर्थन करती है। यह किसानों की आय दोगुनी करने के सरकारी लक्ष्य का भी समर्थन करती है तथा समुदायों में जिम्मेदार जल उपयोग को प्रोत्साहित करती है। यह जागरुकता सृजन, स्थानीय क्षमता निर्माण, अन्य सरकारी योजनाओं से समन्वय तथा उन्नत कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने में भी सहायता करती है।

यही नहीं 24 अप्रैल 2022 को शुरू किया गया मिशन अमृत सरोवर देश के सभी जिलों में अमृत सरोवरों (तालाबों) के निर्माण का समर्थन करता है। प्रत्येक तालाब का न्यूनतम क्षेत्रफल एक एकड़ (0.4 हेक्टेयर) तथा जल संग्रहण क्षमता लगभग 10,000 घन मीटर निर्धारित है। मेड़बंदी- खेत पर मेड़ और मेड़ पर पेड़ जैसे सामुदायिक जल संरक्षण के प्रयास असरकारी हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देशभर के प्रधानों को परंपरागत तथा नवीन दोनों विधियों से जल संरक्षण के प्रयासों के लिए पत्र लिखा है। सामुदायिक जल संरक्षण के प्रयास का असर बुंदेलखंड में दिखने लगा है। यह मिशन जल संरक्षण बढ़ाने, सिंचित क्षेत्र का विस्तार करने तथा भूजल स्तर सुधारने का लक्ष्य रखता है, जिसमें अमृत सरोवरों का पुनर्जीवन एवं निर्माण प्राकृतिक भूजल पुनर्भरण का समर्थन करता है। इससे साफ है कि देश में जल संरक्षण के सरकारी प्रयास भगीरथ हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वह दिन दूर नहीं, जब देश में पानी की कमी नहीं होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

नैनीताल में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

नैनीताल। 26 जनवरी 2026 को 77वां गणतंत्र दिवस नैनीताल जनपद में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिलेभर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, प्रभात फेरियां निकाली गईं और देश के वीर बलिदानियों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभी सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों, संस्थानों और शिक्षण परिसरों में प्रातः 9:30 बजे ध्वजारोहण कर संविधान के प्रति निष्ठा, एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ ली गई। जिला मुख्यालय में कुमाऊँ कमिश्नरी में आयुक्त कुमाऊँ एवं सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने कहा कि संविधान ने नागरिकों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी बोध कराया है और अनुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा नैतिक आचरण के साथ कार्य करना प्रत्येक लोक सेवक की जिम्मेदारी है। जिला कलक्ट्रेट नैनीताल में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने ध्वजारोहण कर अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस भारतीय लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है और सभी को समानता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। नैनीताल पुलिस लाइन और जनपद के विभिन्न कार्यालयों में भी ध्वजारोहण किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित हुए और मिष्ठान्न वितरित किया गया। मल्लीताल स्थित फ्लैट मैदान में भव्य पुलिस परेड, झांकियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि आयुक्त कुमाऊँ दीपक रावत ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली और निरीक्षण किया। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को संविधान, उसके मूल्यों और अधिकारों की जानकारी देने तथा खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कार्मिकों को सम्मानित किया गया और विभिन्न विभागों की विकास झांकियां प्रस्तुत की गईं। कार्यक्रम में विधायक सरिता आर्या, मुख्य विकास अधिकारी अरविंद पांडे, अपर जिलाधिकारी विवेक राय, शैलेंद्र सिंह नेगी, पुलिस अधीक्षक जगदीश चंद्र, मनोज कत्याल, रेवाधर मठपाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसी क्रम में डीएसबी परिसर में भी 77वां गणतंत्र दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कुलपति कर्नल प्रो. दिवान एस रावत ने ध्वजारोहण किया और राष्ट्रगान हुआ। उन्होंने 2047 विकसित भारत के लक्ष्य के लिए सभी को योगदान देने का आह्वान किया। 79 बटालियन एनसीसी ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया। नैनीताल नगर पालिका, उच्च न्यायालय और नैनीताल चिड़ियाघर सहित अन्य संस्थानों में भी विशेष कार्यक्रमों के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया।

उत्तराखण्ड में यूसीसी (संशोधन) अध्यादेश, 2026 लागू

देहरादून। उत्तराखण्ड सरकार ने समान नागरिक संहिता (संशोधन) अध्यादेश, 2026 को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) की स्वीकृति के बाद तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। यह अध्यादेश राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 213 के तहत जारी किया गया। अध्यादेश के माध्यम से संहिता के कई प्रावधानों में प्रक्रियात्मक, प्रशासनिक और दंडात्मक सुधार किए गए हैं, ताकि समान नागरिक संहिता का प्रभावी, पारदर्शी और सुचारु क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। इन संशोधनों का उद्देश्य समान नागरिक संहिता को अधिक स्पष्ट, प्रभावी और व्यावहारिक बनाना, प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना और नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसमें आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 के स्थान पर अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और दंडात्मक प्रावधानों के लिए भारतीय न्याय संहिता, 2023 लागू की गई है। धारा 12 में सचिव के स्थान पर अपर सचिव को सक्षम प्राधिकारी बनाया गया। उप-पंजीयक की समय-सीमा में कार्यवाही न करने पर प्रकरण स्वतः पंजीयक और पंजीयक जनरल को अग्रेषित होगा। इसके अलावा विवाह और लिव-इन संबंधों में गलत प्रस्तुति, बल, दबाव या धोखाधड़ी पर कठोर दंडात्मक प्रावधान लागू किए गए हैं। लिव-इन संबंध की समाप्ति पर पंजीयक द्वारा प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। अनुसूची-2 में विधवा शब्द की जगह जीवनसाथी शब्द का प्रयोग किया गया है। लिव-इन संबंध की समाप्ति पर पंजीयक द्वारा समाप्ति प्रमाण पत्र जारी किए जाने का प्रावधान किया गया है। अनुसूची-2 में "विधवा" शब्द के स्थान पर " जीवनसाथी" शब्द का प्रतिस्थापन किया गया है। विवाह, तलाक, लिव-इन संबंध एवं उत्तराधिकार से संबंधित पंजीकरण को निरस्त करने की शक्ति पंजीयक जनरल को प्रदान की गई है।

लोकसभा अध्यक्ष ने अपने आवास पर फहराया तिरंगा

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यहां अपने आवास पर राष्ट्र ध्वज फहराकर देशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर ओम बिरला ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल झंडा फहराने या परेड देखने का दिन नहीं है, बल्कि यह दिन देश के संविधान को अपनाने और उसके आदर्शों के अनुसार चलने का दिन है। उन्होंने याद दिलाया कि 76 साल पहले भारत ने अपने संविधान को अपनाया, जो दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान है और आज भी यह देश की जनता के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम सभी मिलकर भारत को 2047 तक विकसित और सशक्त राष्ट्र बनाने के लिए काम करेंगे, जब देश स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मना रहा होगा। उन्होंने कहा कि संविधान केवल कानून और नियमों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, समानता, न्याय और स्वतंत्रता के मूल्यों का जीवंत मार्गदर्शन है। उन्होंने नागरिकों से यह अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए और संविधान के आदर्शों का पालन करते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए।

सैन्य इतिहास में पहली बार सेना की रिमाउंट एंड वेटरनरी कोर ने कर्तव्य पथ पर मार्च किया

गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सेना के पशुओं के साथ गहरे रिश्तों का प्रदर्शन

नई दिल्ली। इस साल गणतंत्र दिवस परेड में कर्तव्य पथ पर हिम योद्धा, बैक्ट्रियन कैमल, ज़ानिस्कारी पोनी, ब्लैक काइट्स (शिकारी शिकारी पक्षी) दिखाए गए। परेड के दौरान अटैक और पेट्रोल डॉग के तौर पर प्रशिक्षित पांच देसी नस्ल के कुत्ते मुधोल हाउंड, रामपुर हाउंड, चिप्पीपराई, कोम्बाई और राजपलायम भी कदमताल करते दिखे। भारतीय सेना ने इन जानवरों के साथ अपने अनोखे सहयोग को दिखाया, जो देश के सबसे मुश्किल इलाकों में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं।

इस साल की गणतंत्र दिवस परेड में भारत की सैन्य ताकत के साथ-साथ एनिमल लॉजिस्टिक्स और नेचुरल डिफेंस सिस्टम पर खास फोकस किया गया। सेना ने पशुओं के साथ अपने अनोखे सहयोग को दिखाया, जो देश के सबसे मुश्किल इलाकों में अहम भूमिका निभाते हैं। सेना का यह प्रदर्शन मुश्किल माहौल में सेना की जानवरों पर निर्भरता को दिखाता है। सैन्य इतिहास में पहली बार भारतीय सेना के रिमाउंट एंड वेटरनरी कोर ने कर्तव्य पथ पर मार्च किया। 'साइलेंट वॉरियर्स' के नाम से जाने जाने वाले ये जानवर उन मुश्किल इलाकों में ऑपरेशन के लिए बहुत ज़रूरी हैं, जहां आधुनिक तकनीक अक्सर कमियों का सामना करती है। इस टुकड़ी में दो शानदार बैक्ट्रियन ऊंट, चार जांस्कर पोनी, चार ब्लैक काइट (रैप्टर) – होशियार और चौकस पक्षी, दस इंडियन ब्रीड के आर्मी डॉग (मुधोल हाउंड, रामपुर हाउंड, चिप्पीपराई, कोम्बाई, और राजपलायम) के साथ-साथ छह आम मिलिट्री डॉग शामिल रहे, जो पहले से ही सर्विस में हैं। इस रोमांचक टुकड़ी के साथ भारतीय सशस्त्र बल के हिम योद्धा भी रहे, जो बुलेट-रेसिस्टेंट जैकेट, कैमरा, जीपीएस, रेडियो और एडवांस्ड सर्विलांस सिस्टम से लैस थे।

जानवरों का यह दस्ता लद्दाख और सियाचिन जैसे बहुत ज़्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में जानवरों की भूमिका को दिखाता है। परेड में खास तौर पर बनाई गई भैरव लाइट कमांडो बटालियन ने भी प्रदर्शन किया। साथ ही ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद भारत की सैन्य एकजुटता का बड़ा प्रदर्शन किया गया। कुल 30 झांकियों ने 'आजादी का मंत्रः वंदे मातरम और समृद्धि का मंत्रः आत्मनिर्भर भारत' थीम के तहत कर्त्तव्य पथ पर मार्च किया। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 17 झांकियां थीं, जिनमें असम की टेराकोटा शिल्प, मणिपुर की कृषि प्रगति और हिमाचल प्रदेश की देवभूमि के रूप में पहचान शामिल है।

राष्ट्र सेवा और गणतंत्र की सार्थकता के लिए पंच प्रण का संकल्प आवश्यक : स्वामी रामदेव

हरिद्वार। योगगुरू स्वामी रामदेव ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्वदेशी शिक्षा, स्वदेशी चिकित्सा, स्वदेशी अर्थव्यवस्था, स्वदेशी सनातन जीवन पद्धति तथा स्वदेशी से स्वावलम्बी विकसित भारत- पंच प्रण लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह पंच संकल्प राष्ट्र सेवा और गणतंत्र की सार्थकता के लिए समय की आवश्यकता है। स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने सोमवार को गणतंत्र दिवस पर पतंजलि योगपीठ में तिरंगा फहराया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में स्वामी रामदेव ने कहा कि कहीं टैरिफ वार चल रहा है, कहीं सत्ता का उन्माद, कहीं मजहबी उन्माद और भारत में तो सनातनधर्मियों में ही एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करके गौमाता, गंगा व पालकी के नाम पर उन्माद फैलाने की बात की जा रही है। ऐसे में हमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत, स्वस्थ, समृद्ध, संगठित भारत बनाना है तो स्वदेशी शिक्षा, स्वदेशी चिकित्सा, स्वदेशी अर्थव्यवस्था, स्वदेशी सनातन जीवन पद्धति और अपनी सनातनी विरासत को सर्वोपरि गौरव और महिमा देते हुए एक साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। तभी हम भारत को दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति, सबसे बड़ी सैन्य शक्ति, सबसे बड़ी राजनीतिक सामाजिक और आध्यात्मिक शक्ति के रूप में विकसित कर पाएंगे। रामदेव ने कहा कि हमें इस गणतंत्र दिवस पर स्वधर्म का संकल्प लेकर अपने दुश्मन देशों, भारत विरोधी और सनातन विरोधी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए एकजुट होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि साधु-संतों में कोई झगड़ा न हो, न ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शुद्र के नाम पर कोई उन्माद हो, न किसी प्रकार का कोई प्रांतवाद हो, न भाषावाद का उन्माद हो। हम सब एक ऋषियों की, एक पूर्वजों की, एक वीर-वीरांगनाओं की संतान हैं, एक धरती माता, भारत माता की संतान हैं। इस संकल्प के साथ हम आगे बढ़ेंगे तो भारत पूरी दुनिया का मुकाबला कर पाएगा। यदि हिंदुस्तान से पूरी दुनिया में हिंदू, हिंदुत्व और सनातन को सुरक्षित करना है, तो वीर भोग्या वसुंधरा का पाठ पढ़ना ही होगा।

संविधान ने भारत को सशक्त गणराज्य के रूप में आगे बढ़ने की दिशा दी : नवीन

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कहा कि भारत का संविधान राष्ट्र की आत्मा है जिसने स्वतंत्रता के बाद देश को एक मजबूत, समावेशी और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में आगे बढ़ने की दिशा दी।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए नवीन ने कहा कि संविधान की सर्वोच्चता के प्रति दृढ़ रहकर भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश एक 'जिम्मेदार, आत्मविश्वासी और निर्णायक राष्ट्र' के रूप में उभर रहा है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भारत का संविधान राष्ट्र की आत्मा है, जिसने स्वतंत्रता के बाद देश को एक मजबूत, समावेशी और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में आगे बढ़ने की दिशा दी।" उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं है, बल्कि उन मूल्यों को याद करने का भी एक अवसर है जिनके बल पर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत हुई है। नवीन ने कहा कि यह स्वतंत्रता सेनानियों के अमर बलिदान, संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए समर्पित सशस्त्र बलों के अदम्य साहस को श्रद्धांजलि अर्पित करने का भी एक 'पवित्र अवसर' है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश 'विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता' के पथ पर 'तेजी से' आगे बढ़ रहा है, जहां 'विकसित भारत' का संकल्प देश की 'सर्वोच्च प्राथमिकत' और भविष्य के लिए एक स्पष्ट दिशा के रूप में उभर रहा है। नवीन ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी और रणनीतिक क्षेत्रों में 'उल्लेखनीय प्रगति' की है, जिसका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, स्पष्ट दृष्टिकोण और जनभागीदारी का परिणाम है।' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भारत आज अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेते हुए आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। इससे पहले दिन में, नवीन ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

मनाली और बंजार में आज बंद रहेंगे शिक्षण संस्थान

कुल्लू। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जिला कुल्लू के लिए जारी ऑरेंज अलर्ट के मद्देनज़र विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन द्वारा मनाली एवं बंजार उपमंडल के अंर्तगत 27 जनवरी को शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित किया गया है। उपायुक्त-एवं -अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कुल्लू तोरुल एस. रवीश ने उप-मंडल दंडाधिकारियों, मनाली एवं बंजार द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट एवं अनुशंसा के आधार पर संभावित भारी वर्षा/बर्फबारी एवं प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के दृष्टिगत दिनांक 27 जनवरी 2026 को मनाली एवं बंजार उप-मंडलों के सभी शैक्षणिक संस्थान बंद करने के आदेश जारी किए हैं। उप-मंडलों के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग एवं फार्मेसी कॉलेज (सरकारी एवं निजी) बंद रहेंगे। जिला प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा संबंधित अधिकारियों को विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

गृह मंत्रालय की झांकी में ऐतिहासिक कानूनी सुधारों को प्रदर्शित किया गया : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में उनके मंत्रालय की झांकी में तीन नए आपराधिक कानूनों को प्रदर्शित किया गया। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में औपनिवेशिक अवशेषों को मिटाने वाले ऐतिहासिक कानूनी सुधारों और भारत की सजा-उन्मुख से न्याय-उन्मुख कानूनी प्रणाली की ओर यात्रा का प्रतीक है।

शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि झांकी ने ई-साक्ष्य, ई-समन, न्याय श्रुति, एनएएफआईएस (राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली) और आईसीजेएस (अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली) प्रणालियों को उपयुक्त रूप से प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि इसने नागरिकों को 'नए भारत' में त्वरित, सटीक और जन-केंद्रित न्याय प्रणाली की प्रधानता के प्रति जागरूक किया। गृह मंत्री ने कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा गणतंत्र दिवस परेड में प्रस्तुत तीन नए आपराधिक कानूनों की झांकी ने मोदी जी के नेतृत्व में औपनिवेशिक अवशेषों को मिटाने वाले ऐतिहासिक कानूनी सुधारों को मूर्त रूप दिया, जो भारत की सजा-उन्मुख से न्याय-उन्मुख कानूनी प्रणाली की ओर यात्रा का प्रतीक है।₹ इस झांकी में आपराधिक कानून में हुए व्यापक सुधारों को दर्शाया गया। यह झांकी गृह मंत्रालय द्वारा 2024 में लागू किए गए तीन नए कानूनों - भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम- पर आधारित थी, जिन्होंने क्रमशः ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लिया।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने मुजफ्फरपुर के सिकंदरपुर स्टेडियम में फहराया तिरंगा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में 77वें गणतंत्र दिवस के गौरवशाली अवसर पर सिकंदरपुर स्टेडियम में मुख्य राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। जिले के प्रभारी मंत्री सह उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इस मौके पर झंडा फहराया और कर तिरंगे को सलामी दी ।

इस दौरान उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों और जिलावासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। विजय सिन्हा ने समारोह को संबोधित करते हुए संविधान की महत्ता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी 1950 को जब हमारा संविधान लागू हुआ, तब भारत एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हुआ। उन्होंने कहा, ₹संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह हमारे लोकतंत्र की रीढ़ है। यह नागरिकों के मूल अधिकारों की रक्षा करता है और कानून के समक्ष हर व्यक्ति की समानता व सम्मान सुनिश्चित करता है। विजय सिन्हा ने कहा कि संविधान के मूल आदर्श–न्याय, स्वतंत्रता, समानता और धर्मनिरपेक्षता जो आज भी भारत के शासन की मजबूत नींव बनी हुई है। उन्होंने युवाओं और नागरिकों से अपील की कि संविधान को केवल कागज पर ही नहीं, बल्कि अपने जीवन और समाज के व्यवहार में भी उतारना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 77 साल के सफर के बाद भी हमारा संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती से चला रहा है।

उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल परेड या औपचारिकता का उत्सव नहीं है, बल्कि यह जनता की भागीदारी और लोकतंत्र की सामूहिक शक्ति का जश्न है। सुरक्षा और भव्य आयोजन कार्यक्रम के दौरान बिहार पुलिस, होमगार्ड और एनसीसी के कैडेट्स ने भव्य परेड का प्रदर्शन किया।

नालंदा जिले में अंधाधुन गोलीबारी, एक युवक जख्मी

नालंदा। नालंदा जिले के बेन थाना क्षेत्र के अंतर्गत भातु बिगहा गांव में रविवार की देर रात्रि बदमाशों ने पंचायती के लिए घर से बुलाकर युवक को गोली मार दी। वहीं घर पर भी जाकर अंधाधुंध फायरिंग करते हुए बाइक को जला दिया है, जहां घर के लोगों ने छिपकर अपनी जान बचाई।

बताया जाता है कि धागा फैक्ट्री की जमीन पर कब्जा का विवाद दो पक्षों में चला आ रहा था। उसी रंजिश में घटना को अंजाम दिया गया है। घटना की सूचना पाकर नालंदा पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर जाकर मौके पर से 8 खोखा व दो पिलेट को पुलिस ने बरामद किया है। हमले से जख्मी 35 वर्षीय प्रिंस सिंह को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। गोली युवक की बांह में लगी है। ग्रामीणों ने बताया कि बदमाशों ने एक दर्जन राउंड से अधिक फायरिंग की है । जख्मी के परिजन राजकुमार सिंह ने बताया कि रविवार की रात करीब ढाई बजे कुछ लोग पंचायती के लिए प्रिंस को घर से बाहर बुलाकर ले गए थे वे लोग प्रिंस को नीरज सिंह के पक्ष में बयान देने की बात कह रहे थे जिसे प्रिंस ने इंकार कर दिया तब आक्रोशित हो बदमाशों ने युवक को गोली मारकर अंधाधुंध फायरिंग करते हुए बाइक जला दिया है।

गणतंत्र दिवस पर 14 लखपति दीदियों ने बढ़ाया यूपी का मान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 14 लखपति दीदियों ने देश की राजधानी नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर प्रदेश का मान बढ़ाया। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चयनित ये महिलाएं कर्तव्य पथ, नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं और आत्मनिर्भर नारी, समृद्ध गांव व सशक्त उत्तर प्रदेश का संदेश देशभर तक पहुंचाया।गणतंत्र दिवस के अवसर पर यूपी की लखपति दीदियों ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ ग्रामीण विकास, अन्वेषण व रोजगारपरक व्यवसाय के मुद्दों पर बातचीत की। यूपी की दीदियों ने दुग्ध व्यवसाय, कैफे संचालन, मसाला निर्माण, उन्नत कृषि, ब्यूटी पार्लर, ई-रिक्शा, गो-आधारित उत्पाद तथा प्रेरणा कैंटीन जैसे क्षेत्रों में अपने कार्यों व उपलब्धियों की जानकारी साझा की।केंद्रीय मंत्री ने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि लखपति दीदी अभियान ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत परिवर्तन का माध्यम बन रहा है। इस दौरान इटावा की मंत्रवती देवी और अन्य महिलाओं ने ग्रामीण विकास से जुड़े अपने कार्यों व अनुभवों को केंद्रीय मंत्री से साझा किया। गणतंत्र दिवस परेड देखने के बाद सभी लखपति दीदियों ने गर्व व उत्साह व्यक्त किया। अधिकांश दीदियां पहली बार दिल्ली पहुंची हैं और पहली बार ही गणतंत्र दिवस के भव्य समारोह की साक्षी बनीं। दिल्ली प्रवास के दौरान उनके ठहरने और कार्यक्रम से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं रक्षा मंत्रालय एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय ने की हैं।कार्यक्रम के दौरान संभल की अनुपमा सिंह को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए शाल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा 27 जनवरी को यूपी की लखपति दीदियों को अन्य राज्यों की दीदियों के साथ दिल्ली के प्रमुख स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लखपति दीदी अभियान आज ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता, सम्मान व सशक्तिकरण की नई पहचान बन चुका है। 14 लखपति दीदियों की यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करती है।

मोदी-योगी सरकार में कानून व्यवस्था सुदृढ़ : नंद गोपाल नंदी

कानपुर। आज हम सबसे पहले हम उन वीर जवानों को नमन करते हैं, जिन्होंने हमें आजादी दिलवाई,। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में देश का नाम बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से प्रदेश में कानून व्यवस्था पर लगाम लगी है और प्रधानमंत्री जी के सबका साथ सबका विकास को भी योगी सरकार ने आगे बढ़ाया है। यह बातें सोमवार को कानपुर में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी ने कही। वे आज कानपुर पुलिस द्वारा पुलिस लाइन ग्राउंड में 77वें गणतंत्र दिवस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने तिरंगा फहराकर देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस बार खाकी के साथ-साथ पहली बार आईटीबीपी के जवानो को भी परेड में शामिल किया गया। वहीं दिव्यांग बच्चों की प्रस्तुति ने भी समारोह को यादगार बना दिया तत्पश्चात मुख्य अतिथि से आज्ञा लेकर आईपीएस सुमेध जादव ने परेड का संचालन किया और खाकी द्वारा परेड निकाली गयी इसमें पुलिस की सभी टुकड़ी समेत एनसीसी भी शामिल थी। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने सभी पुलिस कर्मियों को शपथ दिलायी, वहीं मुख्य अतिथि ने उत्कर्ष कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया।

प्रयागराज पुलिस लाइन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तिरंगा फहराया

प्रयागराज। उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 77वें गणतंत्र दिवस पर प्रयागराज पुलिस लाइन में तिरंगा फहराया। डिप्टी सीएम मौर्य ने बतौर मुख्य अतिथि खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया और सलामी भी ली। गणतंत्र दिवस के मौके पर डिप्टी सीएम ने केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार की योजनाओं का जमकर बखान करते हुए कहा कि देश आज डबल इंजन की सरकार में तेजी से प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। इस मौके पर डिप्टी सीएम ने प्रयागराज वासियों, प्रदेशवासियों, देशवासियों और दुनिया भर में बसे भारतवासियों को शुभकामनाएं दी हैं और 13 अधिकारियों और पुलिस कर्मचारियों को सम्मानित भी किया। इस मौके पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने हाल में ही प्रयागराज में क्रैश हुए भारतीय वायुसेना के विमान के पायलटों को सुरक्षित बचाने वाले तीन जांबाज नागरिकों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उपमुख्यमंत्री ने पुलिस लाइन में मौजूद सभी लोगों को संविधान की शपथ दिलाई और कहा कि एक नागरिक होने के नाते हमें अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में एक मतदाता के नाते जो भूमिका है उसका निर्वहन करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष मतदाता शुद्धिकरण अभियान चल रहा है, उसका भी हिस्सा बनें। प्रयागराज के माघ मेले में अपने शिविर के बाहर नाराज होकर अनशन पर बैठे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिविर में गणतंत्र दिवस मनाए जाने और उनके अनशन जारी रहने के सवाल पर डिप्टी सीएम ने एक बार फिर से कहा शंकराचार्य भगवान जी के चरणों में प्रणाम करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं उनसे यह अनुरोध करता हूं कि वह त्रिवेणी संगम में स्नान करें। उन्होंने कहा कि बहुत सारे लोग जो भारतीय संस्कृति को मानने और पूजने वाले हैं वह शंकराचार्य के गंगा स्नान का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं प्रार्थना कर सकता हूं और मैं लगातार प्रार्थना कर भी रहा हूं। डिप्टी सीएम ने कहा है कि पूज्य शंकराचार्य के मामले में जो नेता ढोंगी और घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं, यह सब संतो और हिंदुओं के द्रोही हैं। राम भक्तों और भारतीय संस्कृति के द्रोही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता अगर यह सोच रहे हैं कि इस तरह के किसी मामले से उन्हें राजनीतिक लाभ मिलेगा तो उन्हें मिलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा विपक्ष के नेता जरूर टकटकी लगाए बैठे रहेंगे। लेकिन 2047 टकटकी ही लगाए रह जाएंगे। उन्होंने कहा है कि विपक्ष के नेताओं की जितनी समझ है,उतना वह कर रहे हैं। लेकिन वास्तव में उन्हें इससे कुछ हासिल नहीं होगा।

मोदी जी और योगी जी के नेतृत्व में देश चौमुखी विकास कर रहा है : गिरीश चंद्र यादव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर में 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह उत्साहपूर्वक और देशभक्ति के साथ सोमवार को मनाया गया। मुख्य समारोह पुलिस लाइन में आयोजित हुआ, जहां उत्तर प्रदेश के खेल कूद युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में तिरंगा फहराया और परेड की सलामी ली। इस मौके पर राज्य मंत्री ने शहीदों को नमन किया और कहा कि आज यदि हम यहां सुरक्षित बैठे हैं तो हमारे वीर सैनिकों की देन है जो सीमा पर और देश के अदर मोर्चा संभाले हुए हैं। इस मौके पर उन्होंने जनपद में पुलिस सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पदक और मेडल लेकर सम्मानित भी किया। राज्य मंत्री ने कहा कि आज देश और प्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में देश चौमुखी विकास कर रहा है हर तरफ विकास की गंगा बह रही है सरकार अपने सभी वादे स्वास्थ्य शिक्षा सुरक्षा सड़क बिजली पानी नौजवानों को रोजगार कानून व्यवस्था बेहतर बनाए रखने की पूरी कोशिश कर रही है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिले के न्यायिक, प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ प्रमुख नागरिकों ने भी भाग लिया, जिससे राष्ट्रीय पर्व की महत्ता बढ़ी। इसके पहले कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी से हुई, जिसने पूरे जिले में देशभक्ति का माहौल बनाया। सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने ध्वजारोहण कर लोगों को शपथ दिलाई। दीवानी न्यायालय में जिला जज ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। प्राथमिक विद्यालयों में ध्वजारोहण के बाद बच्चों को मिठाई वितरित की गई। पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि और पुलिस अधीक्षक ने परेड कमांडरों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया।

तिलक वर्मा शेष टी-20 मैचों से बाहर, श्रेयस अय्यर टीम में बने रहेंगे

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज़ तिलक वर्मा को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ के शेष मुकाबलों से बाहर कर दिया गया है। उनकी अनुपस्थिति में अस्थायी तौर पर टीम में शामिल किए गए श्रेयस अय्यर को अब पूरी सीरीज़ के लिए टीम में बनाए रखने का फैसला किया गया है। श्रेयस अय्यर टीम के साथ विशाखापट्टनम और फिर तिरुवनंतपुरम का दौरा करेंगे, जहां सीरीज़ के आखिरी दो मुकाबले खेले जाने हैं। तिलक वर्मा को इस महीने की शुरुआत में राजकोट में विजय हजारे ट्रॉफी के एक मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद उनकी सर्जरी कराई गई। वह फिलहाल बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और उन्होंने फिजिकल ट्रेनिंग दोबारा शुरू कर दी है। बीसीसीआई के अनुसार, तिलक की रिकवरी सही दिशा में है, लेकिन उन्हें पूरी तरह मैच फिट होने के लिए अभी और समय चाहिए। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि तिलक वर्मा मौजूदा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टी-20 सीरीज़ के अंतिम दो मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। हालांकि, उनसे उम्मीद की जा रही है कि वह 7 फरवरी से शुरू होने वाले आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। तिलक 3 फरवरी को मुंबई में भारत के वॉर्म-अप मैच से पहले टीम से जुड़ेंगे। इस बीच, पुरुष चयन समिति ने फैसला किया है कि श्रेयस अय्यर तिलक वर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर शेष मैचों के लिए टीम में बने रहेंगे। वनडे में वाइस-कैप्टन अय्यर अभी तक चल रही सीरीज़ में प्लेइंग XI में शामिल नहीं हुए हैं और उन्होंने दिसंबर 2023 के बाद से कोई टी-20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेला है। इस बीच, यह अभी भी साफ़ नहीं है कि वाशिंगटन सुंदर टी-20 वर्ल्ड कप के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं। उन्हें T20I से बाहर कर दिया गया था और वह बड़ौदा में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के बाद से एक्शन से बाहर हैं। 11 जनवरी को वडोदरा में बॉलिंग करते समय सुंदर को अपनी निचली पसली के एरिया में अचानक तेज़ दर्द महसूस हुआ, जिसके बाद उनका स्कैन किया गया। भारत की अपडेटेड टी-20 टीम सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई

भारत की सृष्टि किरण ने मेक्सिको में रचा इतिहास

लगातार चौथा आईटीएफ जूनियर सिंगल्स खिताब जीता

बेंगलुरु। भारत की 13 वर्षीय उभरती हुई टेनिस स्टार सृष्टि किरण ने अंतरराष्ट्रीय जूनियर टेनिस सर्किट पर शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मेक्सिको में खेले गए आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर्स जे30 टूर्नामेंट का सिंगल्स खिताब जीत लिया। यह सृष्टि का लगातार चौथा आईटीएफ जूनियर सिंगल्स खिताब है। यह टूर्नामेंट 19 से 25 जनवरी 2026 के बीच हुआमांतला, मेक्सिको में आयोजित हुआ, जहां सृष्टि ने कुल 21 मैचों में जीत दर्ज की। फाइनल मुकाबले में सृष्टि किरण ने कनाडा की नैटली त्सात्सालाशविली को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पूरे मैच के दौरान सृष्टि का खेल पूरी तरह नियंत्रित और आत्मविश्वास से भरा रहा। खिताब तक पहुंचने के सफर में सृष्टि को सेमीफाइनल में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। अमेरिका की नतालिया एलेना मार्टिनेज के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले में सृष्टि ने जबरदस्त वापसी करते हुए दूसरा सेट गंवाने के बावजूद मैच 7-5, 1-6, 7-5 से जीत लिया और फाइनल में जगह बनाई। डबल्स स्पर्धा में भी सृष्टि का प्रदर्शन सराहनीय रहा। उन्होंने मेक्सिको की तमारा हरमन के साथ शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी के रूप में मुकाबला खेला और उपविजेता रहीं। फाइनल में यह जोड़ी अमेरिका की क्रिस्टीना ली और नतालिया एलेना मार्टिनेज की जोड़ी से कड़े मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-10 (मैच टाई-ब्रेक) से हार गई। हालांकि डबल्स में खिताब से चूकने के बावजूद सृष्टि किरण के लिए यह सप्ताह हर लिहाज से यादगार रहा। कम उम्र में लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने भारतीय टेनिस के भविष्य के लिए बड़ी उम्मीदें जगा दी हैं।

रणजी ट्रॉफी में केएल राहुल की वापसी

मोहाली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज़ केएल राहुल की कर्नाटक टीम में वापसी हो गई है। उन्हें पंजाब के खिलाफ होने वाले आगामी रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए कर्नाटक की टीम में शामिल किया गया है। यह मैच 29 जनवरी से मोहाली में खेला जाएगा। इस अहम मुकाबले में कर्नाटक टीम की कमान देवदत्त पडिक्कल के हाथों में होगी। राहुल की वापसी से टीम की बल्लेबाज़ी को बड़ी मजबूती मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा तेज गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा भी टीम का हिस्सा हैं, जिससे कर्नाटक के पेस अटैक को अतिरिक्त धार मिलेगी। हालांकि, अनुभवी बल्लेबाज़ करुण नायर इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, जिससे टीम के मिडिल ऑर्डर को झटका लगा है। यह मुकाबला ग्रुप बी के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां नॉकआउट चरण की दो जगहों के लिए चार टीमों के बीच कड़ा मुकाबला चल रहा है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और सौराष्ट्र अभी भी क्वार्टरफाइनल की दौड़ में बने हुए हैं।

पद्मश्री सम्मान पर हॉकी इंडिया ने सविता पुनिया और बलदेव सिंह को दी बधाई

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम की दिग्गज गोलकीपर सविता पुनिया और पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी व कोच बलदेव सिंह को प्रतिष्ठित पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई दी है। यह सम्मान भारतीय हॉकी और खेल जगत में उनके अतुलनीय योगदान के लिए दिया गया है। भारतीय हॉकी की मजबूत स्तंभ मानी जाने वाली सविता पुनिया ने 20 वर्ष की उम्र में सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था और तब से वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों में शुमार हैं। अपने धैर्य, निरंतरता और नेतृत्व क्षमता के लिए पहचानी जाने वाली सविता पिछले एक दशक में वैश्विक मंच पर भारतीय महिला हॉकी के पुनरुत्थान का अहम चेहरा रही हैं।

वर्ष 2025 में सविता ने 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की और ऐसा करने वाली पीआर श्रीजेश के बाद दूसरी भारतीय गोलकीपर बनीं, जो उनके लंबे और शानदार करियर को दर्शाता है। सविता ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारतीय महिला टीम के ऐतिहासिक चौथे स्थान हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने विश्व स्तर पर भारतीय महिला हॉकी की पहचान को नई ऊंचाई दी। इसके अलावा, रियो ओलंपिक 2016 और 2018 हॉकी महिला विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन अहम रहा, जहां भारत क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रहीं सविता के नेतृत्व में टीम ने कई यादगार सफलताएं हासिल कीं। इनमें 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों का कांस्य पदक, FIH नेशंस कप का खिताब, और 2023 व 2024 महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में लगातार दो स्वर्ण पदक शामिल हैं, जो एशिया में भारत के बढ़ते दबदबे को दर्शाते हैं।

उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सविता को 2018 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा वह हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड (2022, 2023) की दो बार विजेता रह चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें FIH गोलकीपर ऑफ द ईयर का पुरस्कार तीन लगातार सत्रों (2020-21, 2021-22, 2022-23) में मिला। वहीं, पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बलदेव सिंह को खिलाड़ी और कोच दोनों रूपों में हॉकी के प्रति उनके असाधारण योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। उन्होंने 1976 मॉन्ट्रियल ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और तीन हॉकी विश्व कप खेले – 1971 बार्सिलोना (कांस्य पदक), 1973 एम्स्टर्डम (रजत पदक) और 1978 ब्यूनस आयर्स। वह 1970 और 1974 एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे। खिलाड़ी के रूप में करियर समाप्त करने के बाद बलदेव सिंह भारत के सबसे प्रभावशाली कोचों में से एक बने। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया, जिनमें ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ संदीप सिंह, पूर्व भारतीय महिला टीम कप्तान रानी रामपाल, साथ ही दीदार सिंह, संजीव कुमार डांग, हरपाल सिंह और नवजोत कौर जैसे नाम शामिल हैं। कोचिंग और खिलाड़ी विकास में उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें पहले ही 2009 में द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, "सविता और श्री बलदेव सिंह को मिला पद्मश्री सम्मान पूरे हॉकी जगत के लिए गर्व का क्षण है। सविता ने विश्व हॉकी में गोलकीपिंग के मानकों को नई ऊंचाई दी है और 300 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना उनकी प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता को दर्शाता है।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते में कपड़ा, कारों और वाइन पर शुल्क कटौती संभव

नई दिल्ली। भारत और 27 देशों का समूह यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत कपड़े एवं जूते-चप्पल जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के साथ-साथ कारों और वाइन पर आयात शुल्क में कटौती संभव है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को कहा कि इस समझौते में कई सेवा क्षेत्रों के नियमों में ढील दिए जाने की भी उम्मीद है। इस समझौते के लिए यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन 24 जनवरी को चार दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंच चुकी हैं। वह यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के साथ 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शिखर बैठक करेंगी। इस बैठक में समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने और संयुक्त वक्तव्य में घोषणा किए जाने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक भारत ने अपने श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे कपड़ा, चमड़ा, परिधान, रत्न एवं आभूषण और हस्तशिल्प के लिए शून्य-शुल्क पहुंच पर जोर दिया है। भारत द्वारा यूके, यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए पिछले व्यापार समझौतों में भी यह एक प्रमुख मांग रही है जिसे स्वीकार किया गया है। वहीं, ईयू अपने ऑटोमोबाइल और वाइन सहित मादक पेय पदार्थों के लिए शुल्क में कटौती की मांग कर रहा है। दरअसल भारत ने ब्रिटेन के साथ अपने व्यापार समझौते में ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लिए कोटा-आधारित रियायतें दी हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ समझौतों में वाइन को शामिल किया गया है। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई वाइन को 10 वर्षों की अवधि में चरणबद्ध तरीके से शुल्क रियायतें प्रदान की हैं। भारत और ईयू 27 जनवरी को 18 वर्षों की लंबी बातचीत के बाद एफटीए के संपन्न होने की घोषणा करेगा। ये बातचीत 2007 में शुरू हुई थी। यूरोपीय संघ में भारतीय सामानों पर औसत शुल्क 3.8 फीसदी है, लेकिन श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर यह लगभग 10 फीसदी है। वहीं, यूरोपीय संघ के सामानों पर भारत का औसत शुल्क 9.3 फीसदी है, जिसमें ऑटोमोबाइल (35.5 फीसदी) और रसायनों पर उच्च शुल्क शामिल है। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ (ईयू) यूरोपीय देशों का एक संगठन है। यूरोप के 50 देशों में से 27 देश ईयू के सदस्य हैं। ईयू एक राष्ट्रीय इकाई की तरह काम करता है और इसकी अपनी मुद्रा, झंडा, केंद्रीय बैंक, संसद और न्यायालय हैं। ईयू के सदस्य देशों के सभी नागरिकों को ईयू नागरिक कहा जाता है। इसमें वर्तमान में 27 सदस्य देश हैं, जिनमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, आयरलैंड, इटली, लात्विया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, नीदरलैंड, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन शामिल हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में हड़ताल से आज कामकाज प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) द्वारा पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर 27 जनवरी को देशव्यापी हड़ताल पर जाने के फैसले की वजह से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का काम-काज मंगलवार को प्रभावित होने की आशंका है। हालांकि, निजी क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने की संभावना कम है। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले नौ संगठनों के संयुक्त निकाय यूएफबीयू द्वारा हड़ताल का ये आह्वान 23 जनवरी को मुख्य श्रम आयुक्त के साथ हुई सुलह बैठक के विफल होने के बाद आया है। इससे पहले 25 जनवरी, रविवार और 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस को बैंक में अवकाश रहने के कारण बंद रहे हैं, ऐसे में मंगलवार की हड़ताल के कारण लगातार तीन दिनों तक शाखा स्तर की सेवाएं बाधित रहेंगी।

यूएफबीयू के घटक अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) के महासचिव सीएच वेंकटचलम ने एक बयान में कहा कि सुलह कार्यवाही के दौरान विस्तृत चर्चा के बावजूद हमारी मांग पर कोई आश्वासन नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इसलिए, हम हड़ताल पर जाने को मजबूर हैं। वहीं, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन (एआईबीओसी) के महासचिव रूपम रॉय ने कहा कि मार्च 2024 में वेतन संशोधन समझौते के दौरान इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूएफबीयू के बीच सभी शनिवारों को छुट्टी घोषित करने पर सहमति बनी थी।

उन्होंने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार हमारी वाजिब मांग पर प्रतिक्रिया नहीं दे रही है। इससे काम के घंटों का कोई नुकसान नहीं होगा क्योंकि हम सोमवार से शुक्रवार तक रोजाना 40 मिनट अतिरिक्त काम करने पर सहमत हुए हैं। यूएफबीयू के एक अन्य घटक नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ बैंक एम्प्लॉइज (एनसीबीई) के महासचिव एल चंद्रशेखर ने कहा, "यह आंदोलन ग्राहकों के खिलाफ नहीं, बल्कि एक टिकाऊ और मानवीय बैंकिंग प्रणाली के लिए है। पांच-दिवसीय बैंकिंग कोई विलासिता नहीं, बल्कि आर्थिक और मानवीय आवश्यकता है। ब

"क यूनियनों के एक दिवसीय हड़ताल में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) सहित सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य बैंकों की शाखाओं में नकद जमा, निकासी, चेक निपटान और प्रशासनिक कामकाज प्रभावित होने की आशंका है। हालांकि, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक जैसे प्रमुख निजी क्षेत्र के ऋणदाताओं का परिचालन काफी हद तक अप्रभावित रहने की उम्मीद है, क्योंकि उनके कर्मचारी उन यूनियनों का हिस्सा नहीं हैं, जो हड़ताल पर जा रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में नए शिखर पर चांदी, सोना पहली बार 5 हजार डॉलर के पार पहुंचा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (हि.स.)। जियो पॉलिटिकल टेंशन, डॉलर इंडेक्स की गिरावट और टैरिफ को लेकर अमेरिका के मनमाने रवैए की वजह से सोना और चांदी लगातार मजबूती का रुख बनाए हुए हैं। वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में जारी हलचल की वजह से सोना और चांदी जैसी धातुओं की मांग में काफी तेजी आ गई है।

इस तेजी के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत पहली बार 5,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गई है। वैश्विक अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बनी अनिश्चितता की स्थिति के कारण सेफ इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के रूप में निवेशकों में सोना और चांदी के प्रति रुझान बढ़ गया है। इसी वजह से पिछले एक सप्ताह की अवधि में सोना आठ प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ 5,040 डॉलर प्रति औंस के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया है। जनवरी की शुरुआत से लेकर अभी तक इस चमकीली धातु की कीमत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में 15 प्रतिशत से अधिक की तेजी आ चुकी है।

इसी तरह अगर पिछले दो साल की बात करें, तो सोना अंतरराष्ट्रीय बाजार में दोगुना से भी ज्यादा महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी की मांग में भी जबरदस्त इजाफा हुआ है। सिर्फ एक साल की अवधि में ही इस चमकीली धातु ने 305 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। पिछले एक साल की अवधि में चांदी 27 डॉलर प्रति औंस से उछल कर पहली बार 100 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गई है।

आयातित कारों पर सीमा शुल्क घटाने से लक्जरी कार खंड को मिलेगी मदद: बीएमडब्ल्यू इंडिया

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने सोमवार को कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत आयातित कारों पर सीमा शुल्क में कटौती से भारत में लक्जरी कार खंड के विकास को गति मिल सकती है, जो वर्तमान में काफी कम है।

देश के कुल यात्री वाहन खंड में लक्जरी कारों की हिस्सेदारी मात्र एक प्रतिशत है। बरार ने एक बयान में कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता एक ऐतिहासिक मील का पत्थर होगा, जो व्यापार का विस्तार करके और प्रौद्योगिकी व नवाचार के गहरे आदान-प्रदान को सक्षम बनाकर दोनों पक्षों को लाभ पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि ऑटोमोटिव उद्योग के दृष्टिकोण से, हमें उम्मीद है कि एफटीए में संतुलित और दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद प्रावधान शामिल किए जाएंगे, जो लक्जरी खंड में मांग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को मजबूत करने में मदद करेंगे। वर्तमान भू-राजनीतिक संदर्भ में यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। बरार ने कहा कि यदि पूरी तरह से निर्मित इकाइयों (सीबीयू) पर सीमा शुल्क कम किया जाता है, तो इससे भारत में लक्जरी कार बाजार के विस्तार में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि हालांकि वर्तमान में हमारी बिक्री में सीबीयू (आयातित इकाइयां) की हिस्सेदारी लगभग पांच प्रतिशत है, लेकिन ऐसा ढांचा हमें अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को व्यापक बनाने, विश्व स्तर पर लोकप्रिय मॉडल पेश करने और नए उत्पादों का परीक्षण करने की अनुमति देगा। अध्यक्ष ने कहा कि यदि मांग बढ़ती है, तो यह समय के साथ स्थानीय स्तर पर उत्पादन को और गहरा करने में भी मदद कर सकता है।

यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, पूरे संगीत जगत का है

पद्म भूषण मिलने पर भावुक हुईं

अलका याग्निक

मुंबई। भारत सरकार ने प्लेबैक सिंगर अलका याग्निक को पद्म भूषण सम्मान से नवाजा है। इस सम्मान की घोषणा के बाद अलका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर परिवार, दोस्तों और सरकार के साथ ही प्रशंसकों का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि सबका है। यह उनकी दशकों की मेहनत का फल है। अलका याग्निक ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट करते हुए लिखा कि यह सम्मान उनके लिए बेहद खास है। अलका याग्निक को यह सम्मान उनकी लंबी और सफल संगीत यात्रा के लिए मिला है। इस सम्मान से उत्साहित होकर अलका ने इसे एक साझा खुशी बताया और कहा कि यह पुरस्कार उनके सभी सहयोगियों और फैंस के प्यार का नतीजा है। अलका ने लिखा कि मुझे पद्म भूषण देने के लिए मैं भारत सरकार की बहुत आभारी हूं। फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री में दशकों के बाद यह सम्मान मिलने से मैं बहुत इमोशनल हो गई हूं। उन्होंने इस उपलब्धि को अपने लंबे सफर का एक खास पड़ाव बताया और कहा कि यह पल उनके लिए बेहद खास है। अपने पोस्ट में अलका ने उन सभी लोगों का दिल से शुक्रिया अदा किया जिन्होंने उनके संगीत सफर को संभव बनाया। उन्होंने लिखा कि फिल्ममेकर्स, कंपोजर्स, लिरिसिस्ट्स, को-सिंगर्स, म्यूजिशियंस, टेक्नीशियंस, प्रेस, मीडिया और हर उस इंसान को दिल से धन्यवाद जो हमारी फिल्मों की जान हैं। यह सफर आपके बिना मुमकिन नहीं होता। अलका ने कहा कि मेरे दोस्तों, परिवार और सुनने वालों आपका प्यार हमेशा मेरी ताकत रहा है। गायिका का मानना है कि यह सम्मान सिर्फ उनका नहीं, बल्कि पूरे संगीत जगत और उनके साथ काम करने वाले हर व्यक्ति का है। उन्होंने पोस्ट को समाप्त करते हुए लिखा कि यह संगीत, यह यात्रा और यह पल हम सभी का है। आप सभी को ढेरों प्यार। अलका याग्निक भारतीय सिनेमा जगत की लोकप्रिय और सफल प्लेबैक सिंगर्स में से एक हैं। उन्होंने 90 के दशक से लेकर आज तक हजारों गाने गाए हैं, जिनमें से कई सदाबहार बन गए। 'एक दो तीन' जैसे गीतों ने उन्हें घर-घर पहुंचाया। उनकी मधुर आवाज ने कई पीढ़ियों को झूमने पर मजबूर किया।

बॉर्डर 2 ने तीन दिनों में 121 करोड़ की कमाई की

मुंबई। बॉलीवुड के सुपर स्टार सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर 2' ने भारतीय बाजार में तीन दिनों में 121 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म 'बॉर्डर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। फिल्म 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में हैं। इनके अलावा इस फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ,अहान शेट्टी,मोना सिंह, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह जैसे सितारे भी हैं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'बॉर्डर 2' ने पहले दिन भारतीय बाजार में 30 करोड़ की कमाई की। दूसरे दिन 'बॉर्डर 2' ने 36.5 करोड़ की कमाई की। सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'बॉर्डर 2 ने तीसरे दिन भारत में 54.5 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है । इसके साथ ही देश में बॉर्डर 2 की कमाई का आंकड़ा 121 करोड़ रुपए हो गया है।अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 को जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने टी-सीरीज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

रवि तेजा का 77वां धमाका: 'इरुमुडी' में दिखेगा नया अवतार, फिल्म का नया पोस्टर जारी

मुंबई। तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार रवि तेजा के जन्मदिन के मौके पर उनकी नई फिल्म का नाम और पहला पोस्टर सोमवार को जारी किया गया। यह रवि तेजा का 77वां प्रोजेक्ट है और इसका निर्देशन शिवा निर्वाणा कर रहे हैं। यह उनके करियर की अब तक की सबसे अलग और भावनात्मक फिल्मों में से एक मानी जा रही है। फिल्म का नाम 'इरुमुडी' रखा गया है। इस टाइटल के पीछे आध्यात्मिक महत्व छुपा है, जो भगवान अयप्पा को समर्पित श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। जारी किए गए पोस्टर में रवि तेजा एक छोटी बच्ची को गोद में लिए नजर आ रहे हैं, जिसे देख दर्शक अंदाजा लगा रहे हैं कि फिल्म में बाप-बेटी के मजबूत रिश्ते को मुख्य रूप से दिखाया जाएगा। फिल्म का संदेश सिर्फ भक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनाओं और पारिवारिक जुड़ाव को भी प्रमुखता दी गई है। रवि तेजा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "कुछ कहानियां जीवन के सही समय पर आपको चुनती हैं। फिर से ऐसी कहानी का हिस्सा बनकर खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि यह कहानी दर्शकों के दिल को छूएगी और उनके लिए यादगार साबित होगी।" निर्देशक शिवा निर्वाणा ने फिल्म की कहानी खुद तैयार की है। फिल्म में रवि तेजा का किरदार उनके अब तक निभाए गए सभी किरदारों से काफी अलग है और दर्शकों को उनके अभिनय का नया पक्ष देखने को मिलेगा। फिल्म में अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर मुख्य भूमिका में हैं। बच्ची नक्षत्रा रवि तेजा की बेटी के रूप में नजर आएंगी। इनके अलावा, साई कुमार, अजय घोष, रमेश इंदिरा, स्वासिका, मीसाला लक्ष्मण, राजकुमार कासिरेड्डी, रमण भर्गव, किशोर कांचरपालेम, कार्तिक अदुसुमल्ली और महेश जैसे कलाकार शामिल हैं। फिलहाल, फिल्म की शूटिंग जारी है और जल्द ही इसे पूरी कर ली जाएगी। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने तैयार किया है और निर्माता नवीन येरनेनी और वाई रवि शंकर हैं।